राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार ,13 सितंबर–2021 वर्ष–4,अंक–232 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पैरालिंपिक पदकवीरों का सम्मान

प्रधानमंत्री ने सभी खिलाड़ियों को दी शुभकामनाएं व हौंसला बढ़ाया

नई दिल्ली। भारत ने टोक्यो पैरालिंपिक में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए 19 मेडल जीते। इनमें 5 गोल्ड, 8 सिल्वर और 6 ब्रॉन्ज मेडल शामिल रहे। यह किसी भी पैरालिंपिक में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। टीम के वापस लौटने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को खिलाड़ियों से मुलाकात की। इस मुलाकात का वीडियो रविवार को जारी किया गया। पैरालिंपिक में सिल्वर मेडल जीतने वाले नोएडा के उ्ट सुहास एलवाई ने प्रधानमंत्री से मुलाकात के दौरान कहा कि उन्हें स्कूल ने 3 बार दाखिला नहीं दिया था। ओलिंपिक में सिल्वर जीतने के बाद अब उन्हें ढट के बाजू में बैठने का मौका मिला है। मोदी ने कहा कि भारतीय पैरा एथलीट्स ने टोक्यो में बेहतरीन प्रदर्शन किया। आगे भी वे अच्छा प्रदर्शन करें इसके लिए हर संभव उपाय किए जाएंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि 130 करोड़ देशवासी अपने पैरा एथलीट्स के साथ हैं ढट इससे पहले टूर्नामेंट के दौरान भी ऐथलीटों के प्रदर्शन पर पैनी नजर बनाए हुए थे और उनकी लगातार हौसला अफजाई कर रहे थे। हर मेडल विनर को उन्होंने सोशल मीडिया पर बधाई दी और फोन कर बात भी की। प्रधानमंत्री से मिलने वाले सभी खिलाड़ियों ने

कहा कि यह उनके लिए गौरव का पल है। खिलाड़ियों ने कहा कि सब उन्हें पहले विकलांग बोलते थे। प्रधानमंत्री ने उन्हें दिव्यांग कहकर उनके सम्मान में इजाफा किया। पैरालिंपिक के दौरान दूसरे देशों के एथलीट हैरत में थे कि भारत के प्रधानमंत्री अपने एथलीटों से बात करते हैं और उनका हौसला बढ़ाते हैं। सम्मान समारोह में वैसे एथलीट भी पहुंचे थे जो टोक्यो में मेडल नहीं जीत पाए। प्रधानमंत्री ने उनसे कहा कि यह बात दिल से निकाल दीजिए कि आप मेडल नहीं जीत पाए। आपने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और देश के लिए यह भी गौरव की बात है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय पैरा एथलीट्स ने टोक्यो में भारत का मान ऊंचा किया। संवाद के दौरान एक खिलाड़ी ने पीएम मोदी से कहा- मेडल न जीत पाने का अफसोस है, लेकिन इस हार ने हमें और मजबूत बना दिया है। हम अगली बार फिर से जीतने के लिए जी जान लगा देंगे। जब तक मेडल मिलेगा नहीं, तबतक कोशिश करना नहीं छोड़ेंगे। प्रधानमंत्री ने खेल में हारने वाले खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि हमारी सबसे बड़ी ताकत हार कर जीतना होता है। इसलिए हार से कभी मनोबल को कम करने की जरूरत नहीं है। दिव्यांग खिलाड़ियों पर बात करते हुए पीएम ने कहा कि दिव्यांग खिलाड़ियों को कोचिंग कराना ज्यादा मुश्किल है, क्योंकि उनकी शारीरिक क्षमता ही नहीं बल्कि वो मानसिक तौर पर भी आम खिलाड़ी से अलग हैं और उन्हें समझना पड़ता है।

संक्षिप्त खबरें

इटावा में दो सगी बहनों के साथ गैंगरेप, तीन आरोपी गिरफ्तार

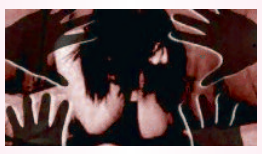

इटावा। शुक्रवार की रात सैफई चौराहे पर घर जाने के लिए वाहन के इंतजार में खड़ी मैनपुरी की रहने वाली दो सगी बहनों को घर पहुंचाने का झांसा देकर तीन व्यक्ति अपने साथ ले गए और सैफई रेलवे पुल के पास बनी एक दुकान के अंदर उनके साथ मारपीट करते हुए गैंगरेप किया। फिर बदहवाश हालत में उन्हें छोड़कर भाग गए। दोनो बहने किसी तरह थाने पहुंची और रोते बिलखते हुए पुलिस को आपबीती सुनाई। महिलाओं से गैंगरेप होने की जानकारी से पुलिस अफसरों में हड़कंप मच गया। पीड़ितों की तहरीर पर पुलिस ने तुरंत मुकदमा दर्ज कर शनिवार की रात आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही दोनो बहनों का मेडिकल कराकर बयान भी दर्ज किये। मैनपुरी जिले के रहने वाली दो सगी बहनें शुक्रवार को महिला थाने में लगने वाले परिवार परामर्श केंद्र में छोटी बहन के पति से चल रहे घरेलू विवाद के निस्तारण के लिए इटावा पहुंची थी। छोटी बहन की ससुराल चकरनगर में है। जिसका अपने पति से आठ माह से विवाद चल रहा था। शुक्रवार को दोनों पक्ष समझौते के लिए यहां पर आए थे। बताया जा रहा है कि समझौता होने के बाद जब दोनों बहनें शाम छह बजे अपने घर मैनपुरी जाने के लिए इटावा से निकली और किसी तरह सैफई तक पहुंच गई। जहां सैफई चौराहे पर खड़े होकर काफी देर तक वाहन का इंताजर करती रही। लेकिन उन्हें वाहन नही मिल सका तब तक रात के 11 बज गए। एक व्यक्ति बाइक पर सवार होकर उनके पास पहुंचा और मैनपुरी जाने की बात कहते हुए सहानभूति जताते हुए उन्हें मैनपुरी छोड़ने की बात कही।

■ श्रीनगर में आतंकियों की कायरता आयी सामने

आतंकी ने घात लगाकर इंस्पेक्टर को मारी गोलियां

श्रीनगर। खानयार इलाके में रविवार को आतंकी हमला हुआ। इसमें पुलिस के जवान को निशाना बनाकर आतंकी ने कई राउंड फायरिंग की। घायल जवान (इंस्पेक्टर) को एसकेआईएमस अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शहीद जवान की पहचाने अर्शीद अहमद के रूप में हुई है। उधर, आर्तकियों की तलाश में इलाके की घेराबंदी कर बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया गया है। आतंकी की कायरता सीसीटीवी में कैद हुई है। जिसमें यह देखा गया कि काले रंग के कपड़े हुए आतंकी ने जवान पर पीछे से कई राउंड फायरिंग की। इसके बाद जवान घायल होकर जमीन पर गिर गया। आनन-फानन उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। अर्शीद अहमद कुपवाड़ा के रहने वाले थे। आज वह पुलिस स्टेशने से कुछ मीटर दूर स्थित गौसिया अस्पताल गए थे। इसी दौरान आतंकी ने उन पर कायरना हमला किया। सीसीटीवी में एक अन्य संदिग्ध देखा गया, जोकि हमले के तुंरत बाद जवान के पास आता है और उसकी जेब से कुछ निकालता है। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि शहर के बीचों-बीच हुए हमले में अर्शीद की हत्या के बारे में सुनकर बहुत दुख हुआ। अल्लाह परिवार को इस दुख को सहन करने की ताकत और जन्नत में अर्शीद को जगह दे। आतंकी संगठन टीआरएफ(द रेजिस्टेंस फ्रंट) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। कहा गया है कि श्रीनगर के खानयार इलाके में पुलिस पर हमला किया गया है। जिसमें पुलिसकर्मी को निशाना बनाया गया।

उत्तराखंड में लगा कांग्रेस को झटका: भाजपा में शामिल हुए एक और विधायक

देहरादून। उत्तराखंड कांग्रेस को एक ओर झटका लगा है। रविवार को दिल्ली में पार्टी के एक और विधायक भाजपा में शामिल हो गए हैं। उत्तरकाशी जिले की पुरोला सीट से कांग्रेस विधायक राजकुमार आज दिल्ली में भाजपा में शामिल हो गए हैं। इस दौराने केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्रे प्रधान, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, भाजपा सांसद औरे राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल बलूनी व उत्तराखंड भाजपो प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक भी मौजूद रहे। बता दें कि विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटी भाजपा धनौल्टी विधानसभा के विधायक प्रीतम सिंह पंवार को पहले ही पार्टी में शामिल करा चुकी है। अब एक और विधायके भाजपा में शामिल हो गए हैं। इससे पहले शनिवार को राजकुमार भाजपा में शामिल होने वाले थे। लेकिन किन्हीं कारण वश उनकी ज्वाइनिंग टल गई थी। सूत्रों के मुताबिक, विधायक ने भाजपा केंद्रीय नेतृत्व के सामने देहरादून की एक सीट से टिकट देने की शर्त रखी थी। जिस कारण ऐसा हुआ था। पुरोला विधायक राजकुमार की पारिवारिक पृष्ठभूमि कांग्रेस की ही रही है। उनके पितो पतिदास ने 1985 में उत्तरकाशी से कांग्रेस के टिकट परे विधाने सभो चुनाव लड़ा था और हार गए थे। राजकुमार ने देहरादून के डीएवी पीजी कॉलेज से ग्रेजुशन किया है, लेकिन वह छात्र राजनीति में कभी भी सक्रिय नहीं रहे।

यूपी : हमीरपुर महापंचायत में पहुंचे किसान नेता राकेश टिकैत

बुंदेलखंड में अन्ना प्रथा सबसे बड़ी समस्या

हमीरपुर। के महोबा में आयोजित किसान महापंचायत में पहुंचे भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत को लोगों ने काले झंडे दिखाए। टिकैत ने कहा सरकार को किसानों की बदहाली पर झुकना ही पड़ेगा इसी के तहत पूरे देश में किसानों को एकजुट किया जा रहा है। मौदहा में भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत के साथ आए प्रदेश अध्यक्ष चौधरी राजीव सिंह जादौन ने कहा कि बुंदेलखंड में सबसे बड़ी एक समस्या है कि कृषि साथ नहीं दे रही है। वहीं यहां अन्ना प्रथा मुंह बाए खड़ी है। कहीं भी गोशाला नहीं बनी हैं। अगर कहीं बनाई हैं तो उनमें सिर्फ तारबाड़ी कर गायों को बंद कर दिया गया है। जिन्हें जिंदा रहने के लिए सिर्फ मरने के लिए बंद किया गया है। अन्ना प्रथा से किसानों की खेती बर्बाद कराने का काम हो रहा है। महापंचायत को लेकर सुबह से ही किसानों के आने का सिलसिला शुरू हो गया थो। पंचायत की सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात है। फायर बिग्रेड, पीएसी और कई जिलो से पुलिसबल बुला कर पंचायत स्थल को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। सड़कों पर सरकार को छका देने वाले किसान नेता राकेश टिकैत भाजपा के आईटी सेल के आगे टिक नहीं पा रहे। भाजपा के इस हथकंडे के आगे उन्होंने खुद को हारा मान लिया है। टिकैत का कहना है कि मोबाइल सिस्टम में हम कच्चे हैं। रविवार को सुबह ट्रेन से बांदा पहुंचे टिकैत ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आमने-सामने के संघर्ष में हम जीतते हैं। लेकिन मोबाइल वाले सिस्टम में हम कच्चे हैं। इसमे वो (भाजपा) हमें हरा देते हैं। मोबाइल का मकड़जाल हमारी समझ से बाहर है। कहा कि हमने अपने नौजवान साथियों से कहा है कि इनका मुकाबला ट्विटर से करो।

सीएम योगी की चेतावनी

गरीबों, किसानों व व्यापारियों को परेशान किया तो जीना हराम कर देंगे

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माफिया को चेतावनी दी कि गरीबों, किसानों व व्यापारियों को सताओगे तो जीना हराम कर देंगे। किसी का घर गिराओगे तो तुम्हारा भी घर तोड़ देंगे। वह रविवार को संतकबीरनगर जिले में नवनिर्मित जिला जेल के लोकार्पण समारोह में लोगों को सम्बोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने 245 करोड़ की योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को संतकबीरनगर में मेंहदावल रोड स्थित बनकटिया गांव नवनिर्मित जेल का लोकार्पण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि पहले माफिया सत्ता का संचालन करते थे। गरीबों, किसानों व व्यापारियों का उत्पीड़न करते थे। साढ़े चार साल के शासन में उन पर लगाम कस दी गई है। वे या तो जेल के अंदर हैं या प्रदेश के बाहर हैं। अवैध ढंग से अर्जित सम्पत्ति और मकानों पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया गया है। इन कार्रवाइयों से माफिया को स्पष्ट चेतावनी दे दी है कि गरीबों, किसानों व व्यापारियों को सताओगे तो खैर नहीं। मुख्यमंत्री ने बिना किसी का नाम लिए विपक्षियों पर हमला बोला। कहा कि साढ़े चार साल पहले की सरकारों में घोषणाएं तो होती थीं पर वे भाई भतीजावाद का शिकार होती थीं। आपके सुख-सुविधाओं वाली योजनाओं पर डकैती डालती थीं। दंगे फंसाद होते थे। युवाओं-बेरोजगारों की नौकरी बेच दी जाती थीं। आज इन पर पूरी तरह से रोक लग गई है। आप की नौकरी नीलाम करने वालों पर कार्रवाई की गई। प्रदेश में अभियान चलाकर साढ़े चार लाख युवाओं को नौकरी दी है। जल्द ही 90 हजार नई नौकरियां आ रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो बेरोजगार युवा हैं, उन्हें नौकरियों की परीक्षा देने के लिए आने-जाने पर भत्ता देंगे। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले युवाओं को टैबलेट देंगे। साथ ही कोरोना काल में बाहर आने-जाने के संकट से बचाने के लिए घर से ही तैयारी करने के लिए डिजिटल सुविधा भी प्रदान करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में उनकी सरकार बनने से पहले पूर्वांचल के सभी जिले बुखार व संक्रामक बीमारियों से पीड़ित थे। इलाज के नाम पर केवल नाम का गोरखपुर मेडिकल कॉलेज था। लोग बाहर इलाज कराते थे। आज स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर हुई हैं। अभियान चलाकर बीमारियों पर रोक लगाई। बेहतर इलाज की पूर्ण सुविधा से युक्त एम्स तैयार हो गया है। जल्द ही प्रधानमंत्री उसका लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री ने संतकबीरनगर जिले में भी पीपीपी मॉडल पर मेडिकल कालेज बनाने की घोषणा की। मउख्यमंत्री ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं को यात्रा भत्ता दिए जाने का निर्णय लिया गया है, जबकि स्नातक, परास्नातक, इंजीनियरिंग, फामेर्सी करने वाले छात्रों को टेबलेट उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल के कई जिले बाढ़ की चपेट में हैं। बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री उपलब्ध हो, इसके लिए जनप्रतिनिधियों को भी आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने साढे चार लाख युवाओं को पारदर्शी तरीके से नौकरी प्रदान की है।

रायबरेली पहुंचकर प्रियंका ने बजरंगबली का लिया आशीर्वाद

रायबरेली। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के मद्देनजर संगठन की लगातार बैठकें कर रहीं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा रविवार को दो दिवसीय दौरे पर रायबरेली पहुंचीं। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि दो दिवसीय दौरे पर रायबरेली पहुंचीं प्रियंका ने सबसे पहले चुरुवा बॉर्डर पर हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना की और उसके बाद बछरावां, हरचंदपुर, सिविल लाइन तथा जगदीशपुर गांव में कार्यकताओं ने फूल मालाओं से उनका स्वागत किया। उन्होंने बताया कि प्रियंका का काफिला पूर्वाह्न करीब पौने बारह बजे भुएमऊ गेस्ट हाउस पहुंचा जिसके बाद उन्होंने जिला, शहर और आनुषांगिक संगठनों के पदाधिकारियों एवं पूर्व विधायकों से मुलाकात की। पार्टी के नेता ने बताया कि प्रियंका सांगठनिक बैठकों में हिस्सा लेंगी और ये बैठकें देर रात तक चलने की संभावना है।

गुजरात के अगले सीएम होंगे भूपेंद्र पटेल, विधायक दल की बैठक में लगी मुहर

अहमदाबाद। विजय रूपाणी के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद गुजरात का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा ? इस पर लगातार चर्चा जारी थी। लेकिन हर बार की तरह इस बार भी भाजपा ने सभी को चौंका दिया है। मुख्यमंत्री पद के लिए जो नाम चल रहे थे वो सब पीछे रह गए और भूपेंद्र पटेल के नाम पर मुहर लगी है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक भूपेंद्र पटेल गुजराज के अगले मुख्यमंत्री होंगे। आनंदीबेन पटेल के बेहद करीबी माने जाने वाले भूपेंद्र पटेल के नाम का प्रस्ताव स्वयं विजय रूपाणी ने विधायक दल की बैठक में रखा। केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने विजय रूपाणी ने भूपेंद्र पटेल के नाम का प्रस्ताव रखा। जिन्हें सर्वसम्मति से चुन लिया गया। भूपेंद्र पटेल एक पाटीदार नेता हैं। उनका नाम पर मुहर लगने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने उन्हें मिठाई खिलाई। जमीन से जुड़ा नेता माने जाने वाले भूपेंद्र पटेल घाटलोडिया क्षेत्र से चुनकर विधानसभा पहुंचे थे। विजय रूपाणी ने शनिवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने अगले साल राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले अचानक इस्तीफे की घोषणा की। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि रूपाणी ने किस वजह से इस्तीफा दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गृह राज्य गुजरात की 182 विधानसभा सीटों के लिए दिसंबर 2022 में चुनाव होने हैं। विजय रूपाणी कोरोना वायरस महामारी के दौरान भाजपा शासित राज्यों में पद छोड़ने वाले चौथे मुख्यमंत्री हैं।

कंधार कांड: सुब्रमण्मय स्वामी ने कहा- देश के आधुनिक इतिहास में आतंकवादियों के सामने सबसे खराब आत्म समर्पण था

नई दिल्ली। भाजपा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी ने 1999 के बहुचर्चित कंधार विमान अपहरण कांड की यादें ताजा कराई हैं। उन्होंने कहा कि इंडियन एयरलाइंस के यात्रियों के बदले में तीन खूंखार आतंकवादियों की रिहाई भारत के आधुनिक इतिहास में आतंकवादियों के सामने 'सबसे खराब समर्पण' था। स्वामी ने 'ह्यूमन राइट्स एंड टेरेरिज्म इन इंडिया' शीर्षक से अपनी एक नई पुस्तक प्रकाशित कराई है। इसमें कहा गया है कि कैसे आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए उचित प्रतिबंधों के साथ नागरिकों के मौलिक अधिकारों के साथ सामंजस्य स्थापित किया जा सकता है। जिन्हें संविधान द्वारा अनुमति दी गई है और सुप्रीम कोर्ट द्वारा बरकरार रखा गया है। उनका कहना है कि इस अध्ययन का निचोड़ है कि आतंकवाद को रोकने के लिए भारत को एक राष्ट्र के रूप में पहचान को बढ़ावा देना चाहिए। स्वामी के अनुसार भारत आज 'पाकिस्तान, तालिबान-नियंत्रित अफगानिस्तान, आईएसआईएस और अन्य इस्लाम धर्म-आधारित आतंकवादियों, और चीन समर्थित पूर्वोत्तर विद्रोहियों की आतंकवादी घेराबंदी का सामना कर रहा है। अब हमें इसका प्रभावी व पूर्ण समाधान निकालने की जरूरत है। इससे पहले कभी भी गुप्त या प्रत्यक्ष तोड़फोड़ के जरिए भारत

की भौगोलिक अखंडता को खतरे में नहीं डाला गया। हिंसा के माध्यम से भारत की शांतिप्रिय आबादी को आर्तकित नहीं किया। भाजपा के राज्यसभा सदस्य स्वामी का दावा है कि आतंकवादियों का राजनीतिक लक्ष्य हिंदुओं का मनोबल गिराना और हिंदू सभ्यता को नष्ट करने के लिए भारत की हिंदू नींव को कमजोर करना है। सरकार को आर्तकियों की किसी भी मांग को कभी स्वीकार नहीं करना चाहिए। स्वामी ने किताब में लिखा कि तीन खूंखार आतंकवादियों की दिसंबर 1999 में जेल से रिहाई और कंधार ले जाकर उन्हें छोड़ना तथा इंडियन एयरलाइंस के अपहृत विमान यात्रियों की रिहाई कराने का फैसला बेहद त्रासदीपूर्ण निर्णय का एक उदाहरण है। जिन आतंकियों को छोड़ा गया था उनमें जैशे मोहम्मद का सरगना मोहम्मद अजहर भी शामिल था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

बार फिर कोरोना संक्रमण

केरल और कुछ अन्य राज्यों में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामले देखकर इस आशंका को बल मिलना स्वाभाविक है कि क्या तीसरी लहर शुरू होने वाली है? हालांकि इस सवाल पर फिलहाल विशेषज्ञ अलग-अलग विचार व्यक्त कर रहे हैं, लेकिन इसके बाद भी कुछ राज्यों में कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ना कोई शुभ संकेत नहीं। बीते कुछ दिनों से प्रतिदिन कोरोना संक्रमण के 40 हजार से अधिक मामले सामने आ रहे हैं। इसके अलावा कोरोना वायरस के कुछ नए प्रतिरूप भी सामने आए हैं। हालांकि अभी उन्हें खतरनाक नहीं माना गया है, लेकिन इसका भरोसा नहीं कि वे कब संक्रमण को तेजी से बढ़ाने का काम करने लगें। इन हालात में उचित यही है कि संक्रमण से बचे रहने के उपायों को लेकर सचेत रहा जाए। मुश्किल यह है कि दूसरी लहर का समापन न होने और तीसरी लहर की आशंका के सिर उठाए रहने के बाद भी आम लोग अपेक्षित सावधानी का परिचय नहीं दे रहे हैं। भीड-भाड़ वाले स्थानों में बड़ी संख्या में लोग बिना मास्क के तो दिखते ही हैं, वे शारीरिक दूरी का परिचय देना भी जरूरी नहीं समझते। छोटे शहरों, कस्बों और गांवों में लोगों के रुख-रवैये से तो ऐसा लगता है कि वे यह मान बैठे हैं कि कोरोना या तो है ही नहीं या फिर उसके संक्रमण का कोई खतरा नहीं रह गया है। यह ठीक रवैया नहीं। यह लापरवाही संक्रमण को बढ़ाने वाली और तीसरी लहर को निमंत्रण देने वाली साबित हो सकती है। ऐसा न हो, इसके लिए राज्य सरकारों और उनके प्रशासन को सक्रियता दिखानी होगी। निःसंदेह इसका यह मतलब नहीं कि वे ऐसी सख्ती बरतें कि उसके नतीजे में आर्थिक-व्यापारिक गतिविधियों पर बुरा असर पड़े। ऐसा कुछ भी नहीं किया जाना चाहिए, लेकिन इसके साथ ही लोगों को आगाह तो किया ही सकता है। इसके अलावा ऐसी व्यवस्था की जा सकती है, जिससे सार्वजनिक स्थलों और खासकर भीड़ वाली जगहों पर लोग कोरोना प्रोटोकाल का पालन करें। इसके लिए आवश्यक हो तो जागरूकता अभियान नए सिरे से चलाया जाना चाहिए। लोगों को कोरोना संक्रमण से बचे रहने के लिए आगाह करना इसलिए भी आवश्यक है, क्योंकि एक तो स्कूल-कालेज खुलने लगे हैं और दूसरे, त्योहारों का सिलसिला शुरू होने वाला है। वास्तव में कोरोना संक्रमण से बचे रहने के उपायों को अपनाने और आर्थिक-व्यापारिक गतिविधियों को बल देने के बीच संतुलन बैठाने की आवश्यकता है। इस आवश्यकता की पूर्ति तभी संभव है, जब आम लोग जरूरी सतर्कता बरतने के साथ टीका लगवाने में प्राथमिकता का परिचय देंगे। जिन लोगों ने अभी टीके की पहली खुराक भी नहीं ली, उन्हें तो अवश्य ही ऐसा करना चाहिए।

'आज के ट्वीट

बर्दाश्त

राम भक्तों पर गोली चलाने वाली तालिबान समर्थक जातिवादी-वंशवादी मानसिकता को प्रदेश की जनता कत्तई बर्दाश्त न करे। याद रखिएगा! बिच्छू कहीं भी होगा तो डंसेगा।

-- मु. योगी आदित्यनाथ

उम्र का अनुपात भी घटा रहा है प्रदूषण

– ललित गर्ग

राजधानी दिल्ली ही नहीं बल्कि अन्य महानगरों में बढ़ते प्रदूषण के कारण जान और जहान दोनों ही खतरे में हैं। महानगरों की हवा में घुलते प्रदूषण के 'जहर' का लगातार खतरनाक स्थिति में बना होना चिन्ता का बड़ा कारण हैं। हवा, पानी, मिट्टी, हर जगह बढ़ते प्रदूषण को लेकर समय-समय पर चिंता जताई जाती रहती है, बड़ी-बड़ी योजनाएं बनती है, देश एवं दुनिया के विभिन्न शोध संस्थान इसे लेकर अनुसंधान करत हैं। ऐसा ही एक अनुसंधान शिकागो विश्वविद्यालय ने किया है। वायु गुणवत्ता जीवन सूचकांक के तहत किए गए इस शोध में बताया गया है कि प्रदूषण के मामले में भारत पहले स्थान पर है और यहां बढ़ते वायु प्रदूषण की वजह से लोगों का जीवन संकट में है, उम्र का अनुपात कम हो रहा है। इस अध्ययन में कहा गया है कि अगर वायु प्रदूषण पर काबू पा लिया जाए तो लोगों की उम्र पांच से छह साल तक बढ़ सकती है। प्रदूषण से जुड़ी हर साल ऐसी अनेक चेतावनियां सामने आती है, शोध निष्कर्ष प्रस्तुत होते हैं। जिनका उद्देश्य होता है कि सरकारें जागे, इस दिशा में कुछ व्यावहारिक कदम उठाएं जायें, मगर हकीकत यह है कि इन अध्ययनों के आंकड़े बाकी सूचनाओं की तरह महज कुछ देर के लिए सरकारों के जेहन में तैरते हैं और फिर तिरोहित हो जाते हैं। जब सर्दी आने को होती है और दिल्ली तथा कुछ अन्य महानगरों में कुहरे में मिलकर प्रदूषण धरती की सतह के आसपास घना हो जाता है, लोगों की सांस की तकलीफ बढ़ जाती है, अनेक बीमारियां उग्र हो जाती है, तब सरकार कुछ हरकत में आती है, हाथ-पांव हिलाने लगती है। विडम्बना तो यह है कि प्रदूषण की अनेक बंदिशों एवं हिदायतों के बावजूद प्रदूषण नियंत्रण की बात हर बार की तरह खोखली साबित हो जाती है। यह कैसी शासन-व्यवस्था है? यह कैसा जन-रक्षा का खोखला प्रदर्शन है? यह सभ्यता की निचली सीढ़ी है, जहां तनाव-ठहराव की स्थितियों के बीच हर व्यक्ति, शासन-प्रशासन प्रदूषण नियंत्रण के अपने दायित्वों से दूर होता जा रहा है। यह कैसा समाज है जहां व्यक्ति के लिए पर्यावरण, अपना स्वास्थ्य या दूसरों की सुविधा-असुविधा का कोई अर्थ नहीं है। जीवन-शैली ऐसी बन गयी है कि आदमी जीने के लिये सब कुछ करने लगा पर खुद जीने का अर्थ ही भूल गया, यही कारण है दिल्ली और अन्य महानगरों की जिन्दगी विषमताओं और विसंगतियों से घिरी होकर कहीं से रोशनी की उम्मीद दिखाई नहीं देती। क्यों आदमी मृत्यु से नहीं डर रहा है? क्यों भयभीत नहीं है? देश की जनता दुख, दर्द और संवेदनहीनता के जटिल दौर से रूबरू है, प्रदूषण जैसी समस्याएं नये-नये मुखौटे ओढ़कर डराती है, भयभीत करती है। हमारे देश में प्रदूषण की वजहें छिपी नहीं है, पर सच्चाई यह है कि सरकारों में उसे रोकने की इच्छाशक्ति नहीं है। महानगरों ही नहीं, अब तो छोटे कस्बों से लेकर गांवों तक में वायु प्रदूषण मानक स्तर से काफी अधिक रहने लगा है। इसका पहला बड़ा कारण वाहनों से निकलने वाला धुआं है। अनेक बार सलाह दी गई कि वाहनों की खरीद-बिक्री को नियंत्रित किया जाए। सार्वजनिक वाहनों को अधिक सुगम और व्यावहारिक बनाया जाए। मगर इस पर किसी भी सरकार ने ध्यान नहीं दिया। जब वायु प्रदूषण जानलेवा साबित होने लगता है, तो दिल्ली सरकार खुद के लिये सबसे आसान तरीका सम-विषम योजना लागू कर देती है। जबकि प्रदूषण नियंत्रण इतने से प्रयत्न से संभव नहीं है। दुनिया में भारत सर्वाधिक प्रदूषित राष्ट्र है, जो कि एक चिंताजनक बात है। दिल्ली एवं अन्य महानगरों में प्रदूषण जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गयी है। हर कुछ समय बाद अलग-अलग वजहों से हवा की गुणवत्ता का स्तर 'बेहद खराब' की श्रेणी में दर्ज किया जाता है और सरकार की ओर से इस स्थिति में सुधार के लिए कई तरह के उपाय करने की घोषणा की जाती है। हो सकता है कि ऐसा होता भी हो, लेकिन सच यह है कि फिर कुछ समय बाद प्रदूषण का स्तर गहराने के साथ यह सवाल खड़ा होता है कि आखिर इसकी असली जड़ क्या है और क्या सरकार की कोशिशें सही दिशा में हो पा रही है। इस विकट समस्या से मुक्ति के लिये ठोस कदम उठाने होंगे। बढ़ते वाहनों के अलावा वायु प्रदूषण का दूसरा बड़ा कारण कल-कारखानों, ईंट भट्ठों से निकलने वाला धुआं है। भारत अभी विकसित होती हुई अर्थव्यवस्था है, इसलिए विकास कार्यों, औद्योगिक उत्पादन पर विशेष बल रहता है। हालांकि इसमें कल-कारखानों के लिए प्रदूषण नियंत्रण संबंधी नियम-कायदे लागू हैं, पर उन पर कड़ी निगरानी न रखी जाने की वजह से वे इनके पालन से बचते रहते हैं। हालांकि अब बैट्री और नैसर्गिक गैस से चलने वाले वाहनों को बढ़ावा दिया जाने लगा है, गाड़ियों में धुएं को पानी में बदलने वाले यंत्र लगाए जाते हैं, मगर अब ये उपाय भी कारगर साबित नहीं हो रहे। विज्ञान के इस युग में मानव को जहां कुछ वरदान मिले हैं, वहां कुछ अभिशाप भी मिले हैं। प्रदूषण एक ऐसा ही अभिशाप हैं जो विज्ञान की कोख में से जन्मा हैं, राजनीतिक उपेक्षाओं एवं लापरवाही से पनपा है और जिसे सहन-जीने के लिए अधिकांश जनता मजबूर हैं। प्रदूषण का अर्थ है -प्राकृतिक संतुलन में दोष पैदा होना। दिल्ली एवं अन्य महानगरों में न शुद्ध वायु है, न शुद्ध जल है, न शुद्ध खाद्य है, न शांत वातावरण है। प्रदूषण कई प्रकार का होता है! प्रमुख प्रदूषण हैं- वायु-प्रदूषण, जल-प्रदूषण और ध्वनि-प्रदूषण। दिल्ली के मुख्यमंत्री तो समर्थ है जयपुर जाकर ध्यान-साधना एवं प्रदूषण-मुक्त परिवेश में नयी ऊर्जा लेने के लिये, लेकिन आम जनता कहां जाये? वायु प्रदूषण से आम-आदमी की उम्र का अनुपात कम हो रहा है। ध्वनि प्रदूषण भी स्वास्थ्य संबंधी अनेक परेशानियां पैदा कर रहा है। मिट्टी के भीतर घुलता जहर अनाज, फल और सब्जियों के जरिए शरीर में पहुंचकर कई जानलेवा बीमारियों को जन्म दे रहा है। पानी तो अब देश में कहीं भी साफ किए बगैर पीने लायक नहीं रह गया। नदियों में बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिए वर्षों से महत्वाकांक्षी योजनाएं चल रही हैं, पर उनका कोई उल्लेखनीय असर नजर नहीं आता। इन सारे तरह के प्रदूषणों पर लगाम न लग पाने की बड़ी वजह सरकारों की उदासीनता और संबंधित महकमों का भ्रष्ट होना है। वायु प्रदूषण कम करने को लेकर सरकारों की सतर्कता अधिकतर पराली जलाने और वाहनों का प्रदूषण स्तर जांच कर उन पर जुर्माना लगाने तक ही नजर आती है। बड़े पैमाने पर प्रदूषण फैलाने वाले कल-कारखानों पर उनकी कृपादृष्टि ही बनी रहती है। भारत दुनिया के चुनिंदा देशों में है, जहां शायद सबसे अधिक कानून होंगे, लेकिन हम कितना कानून-पालन करने वाले समाज हैं, यह किसी से छिपा नहीं है।

दिल्ली एवं अन्य प्रांतों की सरकारें एवं केन्द्र सरकार हर प्रदूषण खतरों से मुकाबला करने के लिए तैयार है, का नारा देकर अपनी नेकनीयत का बखान करते रहते हैं। पर उनकी नेकनीयती की वास्तविकता किसी से भी छिपी नहीं है, देश की राजधानी और उसके आसपास प्रदूषण नियंत्रण की छीछालेदर होती रहती है। इस जटिल एवं जानलेवा समस्या का कोई ठोस उपाय सामने नहीं आता। मसलन, कुछ समय पहले दिल्ली में सरकार की ओर से प्रदूषण की समस्या पर काबू करने के मकसद से चैराहों पर लगी लालबत्ती पर वाहनों को बंद करने का अभियान चलाया गया था। वाहनों के लिये सम-विषम योजना लागू की गयी थी, सवाल है कि ऐसे प्रतीकात्मक उपायों से प्रदूषण की समस्या का कोई दीर्घकालिक और ठोस हल निकाला जा सकेगा?

सच्चा भक्त

श्रीराम शर्मा आचार्य

एक राजा था जो एक आश्रम को संरक्षण दे रहा था। यह आश्रम एक जंगल में था। इसके आकार और इसमें रहने वालों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी होती जा रही थी और इसलिए राजा उस आश्रम के लोगों के लिए भोजन और वहां यज्ञ की इमारत आदि के लिए आर्थिक सहायता दे रहा था। जो योगी इस आश्रम का सर्वेसर्वा था वह मशहूर होता गया और राजा के साथ भी उसकी अच्छी नजदीकी हो गई। ऐसे में राजा के मंत्रियों को ईर्ष्या होने लगी और वे असुरक्षित महसूस करने लगे। एक दिन उन्होंने राजा से बात की 'हे राजन, राजकोष से आप इस आश्रम के लिए इतना पैसा दे रहे हैं। आप जरा वहां जाकर देखिए तो सही। वे सब लोग अच्छे खासे, खाते-पीते नजर आते हैं। वे आध्यात्मिक लगते ही नहीं।' राजा को भी लगा कि वह अपना पैसा बर्बाद तो नहीं कर रहा है, लेकिन दूसरी ओर योगी के प्रति उसके मन में बहुत सम्मान भी था। उसने योगी को बुलवाया और उससे कहा- 'मुझे आपके आश्रम के बारे में कई उल्टी-सीधी बातें सुनने को मिली हैं। ऐसा लगता है कि वहां अध्यात्म से संबंधित कोई काम नहीं हो रहा है। ऐसे में मुझे आपके आश्रम को पैसा क्यों देना चाहिए?' योगी बोला-'हे राजन, आज शाम को अंधेरा हो जाने के बाद आप मेरे साथ चलें। मैं आपको कुछ दिखाना चाहता हूं।' रात होते ही योगी राजा को आश्रम की तरफ लेकर चला। राजा ने भेष बदला हुआ था। सबसे पहले वे राज्य के मुख्यमंत्री के घर पहुंचे। दोनों चोरी-छिपे उसके शयनकक्ष के पास पहुंचे। उन्होंने एक बाल्टी पानी उस पर फेंक दिया। मंत्री चौंककर उठा और गालियां बकने लगा। फिर वे दोनों एक और ऐसे शख्स के यहां गए जो आश्रम को पैसा न देने की वकालत कर रहा था। वह राज्य का सेनापति था। दोनों ने उसके भी शयनकक्ष में झांका और एक बाल्टी पानी उस पर भी उड़ेल दिया। वह व्यक्ति और भी गंदी भाषा का प्रयोग करने लगा। इसके बाद योगी राजा को आश्रम ले कर गया। बहुत से संन्यासी सो रहे थे। उन्होंने एक संन्यासी पर पानी फेंका। वह चौंककर उठा और उसके मुंह से निकला शिव-शिव। फिर उन्होंने दूसरे संन्यासी पर इसी तरह से पानी फेंका। उसके मुंह से भी निकला हे शंभो। योगी ने राजा को समझाया 'महाराज, अंतर देखिए। ये लोग चाहे जागे हों या सोए हों, इनके मन में हमेशा भक्ति रहती है। आप खुद फर्क देख सकते हैं।' तो भक्त ऐसे होते हैं।

आज का राशिफल

मेष	गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के कार्यो में धन खर्च करने के योग हैं। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे।
वृषभ	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
मिथुन	आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार से मिलाप की संभावना है।
कर्क	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रणय संबंध मधुर होंगे।
सिंह	व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।
कन्या	रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। सृजनात्मक कार्यो में हिस्सा लेना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। दूसरों से सहयोग लेने में सफल रहेंगे I
तुला	शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अपनों का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता आपको धन लाभ करायेगी। व्यर्थ की भागदौड़ होगी।
वृश्चिक	व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक उन्नति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
धनु	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा।
मकर	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।
कुम्भ	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खान-पान संयम रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। विरोधियों का पराभव होगा।
मीन	जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

भगवत्कृपा के लिए मानसोपचार सर्वोपरि

प्रकाशनार्थ /- डॉ. दीपक आचार्य

धर्म-कर्म और भक्ति का सीधा संबंध भावना से होता है। जिस कर्म या भक्ति में अगाध श्रद्धा, भगवान के प्रति अनन्य भावना, निष्ठा तथा समर्पण की सम्पूर्णता होती है, उसी में आशातीत सफलता प्राप्त हो पाती है अन्यथा भक्ति और ईश स्मरण से जुड़ी धार्मिक गतिविधियों में भौतिक पदार्थ, मुद्रा और वैयक्तिक अहमन्यता का कोई अस्तित्व या प्रभाव नहीं होता। यह केवल अपने आपको धार्मिक या भगत मानने-मनवाने और जगत को दिखाने भर के लिए है अन्यथा भगवान की सर्वोपरि भक्ति वह है कि जिसमें किंचित मात्र भी किसी भौतिक वस्तु या रुपए-पैसे आदि का उपयोग न हो। अनाप-शनाप द्रव्यों के साथ साधना-उपासना या भक्ति भले की जाए, ऐसी भक्ति यदि भाव शून्य है तो इसका कोई अर्थ नहीं है, यह केवल दिखावा, आडम्बर और पाखण्ड ही है। ऐसा करने वाला आत्ममुग्ध होकर अपने अहंकारों की नाव पर सवार रहने का एकतरफा सुकून प्राप्त कर सकता है, जगत में अपने आपको महान भक्त के रूप में प्रचारित कर या करवा सकता है किन्तु ऐसी भक्ति कभी भी सफलता प्राप्त नहीं कर सकती। वास्तविक भक्ति और साधना वह है जिसमें भक्त और भगवान के बीच कोई भी तीसरा व्यक्ति या वस्तु न हो, केवल हृदय के एकनिष्ठ भाव हों, परमात्मा की कृपा और सान्निध्य प्राप्त करने की तीव्रतर मुमुक्षा हो तथा भगवान के सिवा कुछ भी अभीष्ट न हो। इसमें न माईक और स्पीकर हों, न दूसरे लोगों की निगाह हो, और न ही संसार की माया का कोई दिखावा हो। भक्ति के नाम पर जो कुछ किया जाए, उसके बारे में तीसरे को भनक तक नहीं पड़नी चाहिए। इस तरफ भक्त या साधक हो तथा दूसरी तरफ भगवान। आजकल भक्ति और साधना के नाम पर धार्मिक कहे जाने वाले लोग भक्त और भगवान के बीच कई प्रकार के भौतिक यंत्र और वस्तुएं ले आते हैं, भगवान को खुश करने के लिए विभिन्न उपचारों और जाने कैसे-कैसे आधुनिक एवं लुभावने द्रव्यों के नाम पर खूब सारी सामग्री का प्रदर्शन और उपयोग करवा देते हैं और इसके माध्यम से भगवान के नाम पर अपनी दुकानदारी चला लेते हैं। इस स्थिति में यह दिखावटी भक्ति कारोबार से कम नहीं है, जहाँ हम भगवान की नज़रों में भी गिरने लगे हैं और भक्तों को भी उल्लू बना रहे हैं। असली भक्ति और साधना वही है जिसमें एक धेला खर्च न हो, सब कुछ भावना प्रधान हो। भौतिक वस्तुओं के साथ की जाने वाली पूजा से हजारों गुना फल प्राप्त होता है मानसोपचारी पूजा और भक्ति से। जहाँ भक्त और भगवान के बीच न कुछ होता है, न कुछ चाहिए। इस बात को अपने आस-पास के लोगों और परिचितों के जीवन से समझें, जो कि विभिन्न द्रव्यों, धन-सम्पदा और तरह-तरह के पदार्थों के साथ बरसों से भक्ति या साधना करते आ रहे हैं लेकिन उनके जीवन में भगवत्कृपा या आत्म आनंद की उपलब्धि के बारे में देखा जाए तो शून्य ही सामने आता है। इसका यह कारण भी हो सकता है कि उनकी भक्ति निष्काम न होकर सकाम हो। सकाम भक्ति की स्थिति में रोजाना की जाने वाली भक्ति से प्राप्त ऊर्जा या पुण्य अपने रोजमर्रा के कामों से जुड़े संकल्पों और इच्छाओं के चित्त में आते ही खर्च हो जाता है। इससे सांसारिक कार्यसिद्धि और भौतिक सुख-समृद्धि में भले ही थोड़ा-बहुत असर सामने दिखे, मगर संचित दैवीय ऊर्जा का क्षरण तो होता ही है। यह ठीक उसी तरह है कि जैसे पानी पीने के लिए रोज नया कूआ खोदना। इसमें भी मामूली काम तो संभव हो सकते हैं किन्तु अपने जीवन या घर-परिवार से संबंधित बड़े व स्थायी कामों का होना असंभव है क्योंकि इनके लिए अधिक परिमाण में संचित दैवीय ऊर्जा की आवश्यकता होती है। वहीं दूसरी ओर मनुष्य अपने दैनंदिन जीवन और व्यवहार में मिथ्या भाषण, पतितों से सम्पर्क एवं व्यवहार, बुरे कर्म और कई ज्ञात-अज्ञात पाप करता रहता है। जीवात्मा से इन पापों का भार कम करने के लिए भी काफी मात्रा में पुण्य और दैवीय ऊर्जाओं की आवश्यकता होती है। ऐसे में उतना भजन-पूजन या साधना-उपासना नहीं हो पाती, जितनी कि आवश्यक होती है। ऐसे में इच्छित कार्य पूर्ण हों या न हों, जीवात्मा द्वारा संचित पुण्य और साधना या भक्ति की ताकत क्षीण हो जाती है। इसलिए यह तय मानकर चलें कि साधना या भक्ति में न पैसा चाहिए, न भौतिक वस्तुएँ। बड़े-बड़े साधकों का अनुभव रहा है कि भक्ति और साधना में केवल भगवान के प्रति अनन्य भक्ति का भाव होना चाहिए और ईष्ट के प्रति एकनिष्ठ एवं अगाध श्रद्धा के साथ मुमुक्षा। यों भी भगवान की साधना-भक्ति में भौतिक पदार्थों या पैसों का संबंध है ही नहीं। धर्म के नाम पर कारोबार करने वालों ने इसे इतना अधिक व्यापक स्वरूप दे डाला है कि यह एक विराट उद्योग की तरह चल निकला है और बढ़ता ही चला जा रहा है। जो लोग समृद्ध हैं उनके लिए भक्ति या साधना में भौतिक द्रव्यों और मुद्रा तथा सम सामयिक दिखावों का प्रचलन समझ में आता है किन्तु आम लोगों के लिए भक्ति या साधना में विभिन्न वस्तुओं के नाम पर खूब सारा खर्च करना या करवा देना शास्त्र सम्मत भी नहीं है। कहा तो यहां तक गया है कि भक्ति और साधना का कोई भी कार्य कर्ज लेकर या जीवनोपयोगी अन्य अत्यावश्यक जरूरतों में कटौती करके किए जाने वाले धार्मिक कृत्यों का कोई फल प्राप्त नहीं होता। इस स्थिति में धर्म, साधना और भक्ति के मूल तात्त्विक रहस्य को जानने की आवश्यकता है। और वह यह कि ईश्वर की उपासना या भक्ति में भौतिक द्रव्यों और धन के प्रयोग की बजाय साधना और भक्ति की सारी क्रियाएं भक्त या साधक द्वारा मानसिक रूप से संपादित की जाएं, तो उसे हजार गुना लाभ एवं फल प्राप्त होता है।

इस स्थिति में पूजा-उपासना में न किसी षोड़शोपचार या राजोपचार की आवश्यकता होती है, न एक पैसे की। जो कुछ होता है वह मानसिक स्तर पर ही होता है। इसे मानसोपचार के रूप में मान्यता दी गई है। कोई पूजा-उपासना ऐसी नहीं है जिसमें मानसोपचार का विधान न हो। हर साधना में कहा गया है - मानसोपचारैः संपूज्य। इसके मूल में छिपे गहन रहस्य को आत्मसात करने की आवश्यकता है। श्रद्धा-भावना के साथ मानसिक पूजा और उपासना करते समय चित्त की वृत्तियां पूरी तरह भगवद् प्रवाह से जुड़ जाती हैं और भगवान से भक्त का सीधा तारतम्य कायम हो जाता है। इसमें सब कुछ अर्पण किया जाता है मानसिक भावना करते हुए।भक्ति और साधना के मामले में एक गूढ़ रहस्य अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि संसार से प्राप्त कोई भी पदार्थ उसे न भगवान से मिला सकता है, न मोक्ष दे सकता है। उसका अपना विशुद्ध शरीर ही है जिसकी ज्ञानेन्द्रियों और कर्मेन्द्रियों के माध्यम से ही वह भगवदीय लक्ष्य में सफलता हासिल कर सकता है। जो भी बाहरी पदार्थ हैं, वे किसी काम के नहीं। सांसारिक ऐषणाओं और इच्छाओं की पूर्ति के प्रयासों में ये सारे कुछ फीसदी सहायक सिद्ध हो सकते हैं किन्तु भगवत्प्राप्ति या मुक्ति में बाधक ही हैं। केवल नाम जप में रमे रहने से भी भगवान को प्रसन्न किया जा सकता है, इसके सिवा कुछ न करें तब भी भगवान की कृपा और साक्षात्कार संभव है। भक्ति या साधना से शरीर की पवित्रता, चित्त की शुद्धि और विचारों की शुचिता प्राप्त होकर भक्त या साधक निर्मलता के उस घनीभूत स्तर तक आ पहुंचता है जहाँ उसके हृदय में ईश्वर प्रतिष्ठित व जागृत हो सकता है और उसे वह स्वयं अनुभूत कर सकता है।

मानसोपचारी पूजा का एक फायदा यह भी है कि दृढ़ संकल्पित साधक मानसिक पूजा व मानसोपचारी भक्ति करते-करते वह स्थान भी पा सकता है कि जब उसे सारे उपचार स्थूल रूप में भी सहज प्राप्त होने लगें। ईश्वर को पाने के लिए मानसोपचार को सर्वोपरि मानकर भक्ति या साधना में रमने वाले जल्दी सफल होते हैं और भगवान इन पर अधिक प्रसन्न होते हैं।

टीसीएल इस साल आपनी फोल्डेबल फोन नहीं करेगी पेश : रिपोर्ट

सैन फ्रांसिस्को। इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड टीसीएल ने घोषणा कि है कि इस साल कम कीमत वाला फोल्डेबल फोन को लाने की योजना पर विराम लगा रहा है। द वर्ज को एक ईमेल में, कंपनी ने कहा कि उसका क्लैमशेल-स्टाइल फोल्डेबल फोन, कोडनेम प्रोजेक्ट को कंपनी ने होल्ड पर रखने का फैसला किया है। टीसीएल के अनुसार, उत्पादन लागत बढ़ने और आपूर्ति श्रृंखला की कमी के कारण देरी हुई है। टीसीएल के मुख्य विपणन अधिकारी स्टीफन स्ट्रेट ने कहा, हालांकि फोल्डेबल बाजार हर साल बढ़ रहा है, फिर भी यह एक प्रीमियम उत्पाद श्रेणी है। स्ट्रीट ने कहा,हाल ही में घटक की कमी, कोविड -19 महामारी और फोल्डेबल उत्पादन में बढ़ती लागत की वजह से टीसीएल ने अपने पहले फोल्डेबल स्मार्टफोन के लॉन्च को स्थगित करने का निर्णय लिया है, जब तक कि कंपनी इसका उत्पादन और इसे बाजार में मिड-रेज पर नहीं ला सकती है। टीसीएल ने पिछले साल कुछ फोल्डेबल प्रोटोटाइप दिखाए और फिर इस साल की शुरूआत में एक रोल करने योग्य स्क्रीन डिजाइन दिखाया था। अप्रैल में, कंपनी ने एक फोल्ड ए रोल डिवाइस दिखाया जो 6.87-इंच फोन स्क्रीन से 8.85-इंच फैबलेट या 10-इंच टैबलेट साइज में आने का अनुमान है। कंपनी ने कहा कि वह फोल्डेबल उत्पाद श्रेणी में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है, लेकिन इसकी कोई समय सीमा नहीं है कि इसका पहला फोल्डेबल डिवाइस व्यावसायिक रूप से कब उपलब्ध हो सकता है।

टेस्ला ने अपने फूल सेल्फ-ड्राइविंग बीटा 10 को किया रिलीज : रिपोर्ट

सैन फ्रांसिस्को। इलेक्ट्रिक वाहन निमार्ता टेस्ला ने अपने फुल सेल्फ-ड्राइविंग बीटा वी 10 सॉफ्टवेयर को अपने शुरूआती एक्सेस फ्लीट में शामिल करना शुरू कर दिया है। इलेक्ट्रेक की रिपोर्ट, सॉफ्टवेयर टेस्ला वाहनों को राजमार्गों और शहर की सड़कों दोनों पर चलाने में सक्षम बनाया गया है, लेकिन इसे अभी भी एक स्तर पर 2 ड्राइवर की सहायता और हर समय ड्राइवर सूपरविजन की आवश्यकता होगी। रिपोर्ट में कहा, ड्राइवर को कार के स्टीयरिंग व्हील पर हाथ रखाना होगा और नियंत्रण करने के लिए तैयार रहना होगा। मस्क एफएसडी पैकेज खरीदने वाले ग्राहकों को फुल सेल्फ-ड्राइविंग (एफएसडी) बीटा सॉफ्टवेयर के व्यापक रिलीज का वादा किया है, लेकिन रिलीज में कुछ समय के लिए देरी हुई है। हाल ही में, सीईओ ने टेस्ला को एक नए एफएसडी बीटा वर्जन10 अपडेट को आगे बढ़ाते हुए व्यापक रिलीज किया है, जो आने वाले हफ्तों में दो और बिंदु रिलीज के बाद अपेक्षित है। टेस्ला के सीईओ ने कहा कि व्यापक रिलीज (डाउनलोड बटन) सितंबर के अंत तक हो जाएगा। मस्क ने पहले कहा था कि टेस्ला पिछले कुछ हफ्तों से आंतरिक रूप से नए सॉफ्टवेयर का परीक्षण कर रहा है।

इंस्टाग्राम जोड़ेगा फेवरेट फीचर,होम फीड को दे सकेंगे प्रॉयरिटी

सैन फ्रांसिस्को। इंस्टाग्राम अपने आईओएस ऐप के लिए एक फीचर फेवरेट पर काम कर रहा है, जो यूजर्स को उन अकाउंट्स को प्रायरिटी देने की अनुमति देगा। यह आगे फीड पर दिखाई देगा, जिससे उन्हें देखने की अधिक संभावना है। एप्पलइनसाइडर की रिपोर्ट के अनुसार, अभी में इंस्टाग्राम यूजर्स को यह निर्धारित करने के लिए फेसबुक के एल्गोरिथम पर निर्भर रहना पड़ता है कि कौन सी फोटो सबसे पहले देखी जाती हैं। बात दें कि एल्गोरिदम कई कारकों पर निर्भर करता है, जिसमें सामान्य रूप से कोई पोस्ट कितनी लोकप्रिय है, यह यूजर्स किसी विशेष खाते से कितनी बार इंटरैक्ट करता है, इससे संभावित रूप से यूजर्स को उन खातों पर सामग्री देखने की छूट हो सकती है, जिनकी वे शायद ही कभी जांच करते हैं। मोबाइल डेवलपर एलेसेंड्रो पलुजी ने ट्विटर पर एक फेवरेट सुविधा के बारे में पोस्ट किया, जो यूजर्स को विशिष्ट अकाउंट्स को अपने फेवरेट के रूप में देखने की अनुमति देगा। फेवरेट के रूप में सेट किया गया कोई भी अकाउंट्स, उनकी लोकप्रियता या एल्गोरिथम द्वारा उपयोग किए जाने वाले अन्य संकेतों पर ध्यान दिए बिना फीड में पहले दिखाई देगा। यूजर्स एक सूची बना रहे हैं, केवल वे ही देख पाएंगे कि उस पर कौन है, क्योंकि यह एक खाता-विशिष्ट सूची है जिसे दूसरों के साथ साझा नहीं किया जाता है।

एचपी दूसरी तिमाही में भारतीय पीसी बाजार में पहले स्थान पर : रिपोर्ट

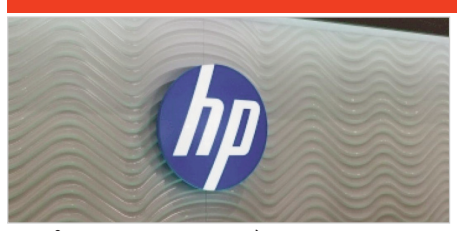

नई दिल्ली। एचपी 2021 कैलेंडर वर्ष की दूसरी तिमाही में 26 फीसदी बाजार हिस्सेदारी के साथ भारत में शीर्ष पर्सनल कंप्यूटर (पीसी) विक्रेता के रूप में उभरा है, 10.6 लाख यूनिट तक। बाजार शोधकर्ता कैनालिस के अनुसार, लेनोवो समूह 20.5 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ उपविजेता रहा, उसके बाद डेल टेक्नोलॉजीज (12.8 प्रतिशत) का स्थान रहा। एक रिपोर्ट में शुक्रवार को कहा गया था, सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स वर्ष की दूसरी तिमाही में भारत में चौथी सबसे बड़ा पीसी विक्रेता रही। इसकी मजबूत टैबलेट बिक्री सराहनीय रही। कैनालिस रिसर्च एनालिस्ट अश्वीज ऐथल ने एक बयान में कहा, बाजार आखिरकार पूर्व-कोविड शिपमेंट स्तर पर लौट आया है।ऐथल ने कहा, जबकि डेस्कटॉप और नोटबुक में वास्तव में शिपमेंट में कोई बड़ा उछाल नहीं देखा गया है, टैबलेट पहले की तुलना में बहुत अधिक मांग में हैं, जो भारत में एक मरणासन्न श्रेणी को पुनर्जीवित कर रहा है। इसका श्रेय दूरस्थ शिक्षा के साथ-साथ त्वरित शिक्षा को दिया जाना चाहिए। कई उद्योगों और प्रक्रियाओं का डिजिटल परिवर्तन हुआ है। अप्रैल-जून की अवधि में डेस्कटॉप, नोटबुक और टैबलेट सहित पीसी की 403,000 इकाइयों की शिपिंग के बाद दक्षिण कोरियाई टेक दिग्गज ने भारत में 9.8 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी का हिसाब लगाया। सैमसंग की दूसरी तिमाही के पीसी शिपमेंट एक साल पहले 172,000 यूनिट्स से 134 फीसदी बढ़ गए थे, जब उसने भारत में 6 फीसदी बाजार हिस्सेदारी दर्ज की थी।

दूसरी तिमाही में निर्माण में सुधार, उत्पादन की उच्च लागत चिंता का कारण

नई दिल्ली।

देश भर में आर्थिक गतिविधियों में तेजी आने के साथ ही उद्योग जगत के लोग विनिर्माण क्षेत्र के काम में तेजी को लेकर आशावादी हो रहे हैं। जुलाई-सितंबर के लिए फिक्की मैन्युफैक्चरिंग सर्वे ने दिखाया कि पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2021-22) में नरमी का अनुभव करने के बाद, दूसरी तिमाही में आउटलुक में काफी सुधार हुआ है। 2021-22 की दूसरी तिमाही में उच्च उत्पादन की रिपोर्ट करने वाले उत्तरदाताओं का प्रतिशत 50 प्रतिशत से लगभग 61 प्रतिशत काफी अधिक था। यह पिछले वर्ष की दूसरी तिमाही (लगभग 24 प्रतिशत) के समान प्रतिशत से काफी अधिक था। फिक्की के एक बयान में यह भी कहा गया है कि मूल्यांकन ऑर्डर बुक में भी प्रतिबिंबित होता है क्योंकि जुलाई-सितंबर2021-22 में 72 प्रतिशत लोगों ने अप्रैल-जून 2021-22 की तुलना में अधिक संख्या में ऑर्डर की उम्मीद की थी। हालांकि, सर्वे से पता चला कि लोगों का एक हाई प्रतिशत व्यवसाय और उत्पादन करने की बढ़ती लागत का अनुभव कर रहा है। सर्वेक्षण में निर्माताओं के लिए बिक्री के प्रतिशत के रूप में उत्पादन की लागत 2021-22 के क्वार्टर 1 में 80 प्रतिशत लोगों के लिए बढ़ गई है। यह 2020-21 की चौथी तिमाही की रिपोर्ट की तुलना में काफी अधिक है, जहां 72 प्रतिशत लोगों ने अपनी उत्पादन लागत में वृद्धि दर्ज की। बयान में कहा गया है, उद्योग के लोगों ने मुख्य रूप से उच्च निश्चित लागत, सुरक्षा प्रोटोकॉल सुनिश्चित करने के लिए उच्च ओवरहेड लागत, लॉकडाउन के कारण वॉल्यूम में भारी कमी, कम क्षमता उपयोग, उच्च माल ढुलाई शुल्क और अन्य रसद लागत, कच्चे माल की बढ़ी हुई लागत के लिए उत्पादन लागत में वृद्धि, बिजली की लागत और उच्च ब्याज दरें को जिम्मेदार ठहराया है।

पीसीए के बाद अब सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक स्थिर : निर्मला सीतारमण

चेन्नई।

केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई (पीसीए) के बाद अब स्थिर हैं। तमिलनाडु के तूतीकोरिन में रविवार को तमिलनाडु मर्के टाइल बैंक (टीएमबी) के शताब्दी समारोह में सीतारमण ने कहा कि 2014 से पहले सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक विभिन्न समस्याओं का सामना कर रहे थे। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक भारी गैर-निष्पादित आस्तियों (एनपीए) से लदे थे, जो स्वयं बैंकिंग क्षेत्र के भविष्य के लिए एक गंभीर चिंता का विषय था। सीतारमण ने कहा कि बैंकिंग क्षेत्र की समस्या से पूरी आर्थिक गतिविधि प्रभावित होगी। उनके अनुसार, सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में अतिरिक्त पूंजी डाली। उन्होंने कहा कि तब त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई की गई थी और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक अब पटरी पर आ गए हैं। सीतारमण ने कहा कि जब बैंकिंग क्षेत्र उथल-पुथल में था, तब भी टीएमबी अपना कारोबार कुशलता से कर रहा था। उन्होंने टीएमबी की सराहना करते हुए कहा कि इसे 1921 में नादर सामुदायिक बैंक के रूप में शुरू

किया गया था और अब इसे सार्वभौमिक स्वीकृति मिली है और आगे का रास्ता डिजिटलीकरण है।

उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी संबंधी समाधान कई अन्य समस्याओं को दूर करते हैं और यहां तक कि बिना शाखा के भी अब डिजिटलीकरण के माध्यम से बैंकिंग सेवाओं की पेशकश की जा सकती है।

टीएमबी के 41,000 करोड़ रुपये के जमा आधार और 32,000 करोड़ रुपये के अग्रिम पोर्टफोलियो का उल्लेख करते हुए सीतारमण ने कहा, यदि तेजी के साथ आप अधिक व्यवसायों के लिए धन का उपयोग कर रहे हैं और यदि इसे आप पूर्ण रूप से अपनाते हैं तो प्रौद्योगिकी से संबंधित समाधान अधिक कुशलता से होना संभव है। उनके अनुसार, वित्तीय प्रौद्योगिकी का उपयोग करके कोई भी डेटा को पार कर सकता है और कोई क्रेडिट रेटिंग का आकलन कर सकता है जो केवल डिजिटलीकरण के साथ ही संभव है। टीएमबी के एमडी और सीईओ केवी राममूर्ति के अनुसार, शताब्दी समारोह के एक हिस्से के रूप में बैंक एक विशेष डाक टिकट और डाक कार्ड जारी करने के साथ कई पहल शुरू कर रहा है।

देश में कार्यालय स्थल की मांग में बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई का दबदबा : रिपोर्ट

नयी दिल्ली,

देश में बीते वित्त वर्ष 2020-21 में कार्यालय स्थलों की कुल मांग में दक्षिण भारत के तीन शहरों....बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई का दबदबा रहा। एनारॉक की एक रिपोर्ट के अनुसार, कार्यालय स्थलों की कुल मांग में इन तीन शहरों का हिस्सा 66 प्रतिशत रहा। परामर्शक कंपनी ने कहा कि दक्षिण भारत के कार्यालय बाजार ने नई आपूर्ति, मांग और यहां तक कि किराया वृद्धि के मामले में अन्य क्षेत्रों को पीछे छोड़ दिया। शीर्ष सात शहरों में बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई की कार्यालय स्थल को किराये या पट्टे पर लेने के मामले में हिस्सेदारी बढ़कर 66 प्रतिशत हो गई। यह आंकड़ा 2017-18 में 47 प्रतिशत था। शीर्ष शहरों में कार्यालय स्थलों की कुल मांग 2.13 करोड़ वर्ग फुट रही। इसमें दक्षिण के इन तीन शहरों का हिस्सा 1.40 करोड़ वर्ग फुट रहा। मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) और पुणे का हिस्सा 45.6 लाख वर्ग फुट या 21 प्रतिशत रहा। एनसीआर की हिस्सेदारी 23 लाख वर्ग फुट या 11 प्रतिशत रही। वित्त वर्ष 2017-18 में इन शीर्ष सात शहरों में 3.11 करोड़ वर्ग फुट क्षेत्र पट्टे पर दिया गया था।

चिप की कमी के बावजूद हुंडई और Honda को उम्मीद, त्योहारी सीजन में होगी खूब बिक्री

बिजनेस डेस्क:

प्रमुख वाहन कंपनियों हुंडई तथा होंडा कार्स को उम्मीद है कि बाजार स्थिति में सुधार के बाद त्योहारी सीजन में कारों की मांग मजबूत रहेगी। इन कंपनियों ने कहा कि ज्यादातर राज्यों में कोविड-19 की वजह से लागू अंकुश अब हट गए हैं। ऐसे में कार कंपनियों के लिए त्योहारी सीजन अच्छा रहने की उम्मीद है।

इन कंपनियों का कहना है कि महामारी की वजह से अब ज्यादा से ज्यादा ग्राहक अपना निजी वाहन खरीदना चाहते हैं। ऐसे में व्यस्त त्योहारी सीजन के दौरान बिक्री जोरदार रहने की उम्मीद है। वाहन कंपनियों का मानना है कि आगे चलकर क्षेत्र के समक्ष सेमीकंडक्टर की कमी की वजह से आपूर्ति की चुनौती आ सकती है। इसके अलावा महामारी की तीसरी लहर भी वाहन क्षेत्र को पटरी से उतार सकती है।

क्या कहा हुंडई और होंडा कार्स ने

हुंडई मोटर इंडिया के निदेशक (बिक्री, विपणन एवं सेवा) तरुण गर्ग ने कहा, ''मांग की स्थिति अच्छी है। व्यक्तिगत वाहन खरीदने की इच्छा की वजह से देशभर में विभिन्न उत्पाद श्रेणियों में मांग अच्छी है। त्योहारी सीजन को लेकर माहौल अच्छा नजर आ रहा है।'' होंडा कार्स इंडिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं निदेशक (विपणन एवं बिक्री) राजेश गोयल ने कहा कि कोविड-19 अंकुश हटने के बाद से बाजार धारणा सुधरी है।

उन्होंने कहा, ''पिछले कुछ माह के दौरान उद्योग की बिक्री के आंकड़े में सुधार शुरुआती अनुमानों से बेहतर रहा है,जो एक अच्छी चीज है। यही रुख त्योहारों के दौरान भी जारी रहने की उम्मीद है। त्योहारी सीजन की शुरुआत दक्षिण भारत में ओणम से हुई है। अब उत्साह का यह माहौल देश के अन्य बाजारों में देखने को मिल रहा है।''

चिप की कमी के बारे में गर्ग ने कहा

गोयल ने कहा कि उद्योग की ओर से कुछ नए मॉडल उतारने की तैयारी है। इससे बेहतर बिक्री का आंकड़ा हासिल करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि कंपनी की नई पेशकश कॉम्पैक्ट सेडान अमेज के नए संस्करण को विभिन्न बाजारों में अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। चिप की कमी के बारे में गर्ग ने कहा कि इससे उद्योग में अन्य कंपनियों के साथ हुंडई भी प्रभावित हुई है। कंपनी मौजूदा परिस्थितियों में अपने उत्पादन को बेहतर तरीके से प्रबंधित करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा, ''हम वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा हैं। ऐसे में हमें भी इसी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है।''

टेस्ला ने अपने फूल सेल्फ-ड्राइविंग बीटा 10 को किया रिलीजः रिपोर्ट

सैन फ्रांसिस्को। इलेक्ट्रिक वाहन निमार्ता टेस्ला ने अपने फुल सेल्फ-ड्राइविंग बीटा वी 10 सॉफ्टवेयर को अपने शुरूआती एक्सेस फ्लीट में शामिल करना शुरू कर दिया है। इलेक्ट्रेक की रिपोर्ट, सॉफ्टवेयर टेस्ला वाहनों को राजमार्गों और शहर की सड़कों दोनों पर चलाने में सक्षम बनाया गया है, लेकिन इसे अभी भी एक स्तर पर 2 ड्राइवर की सहायता और हर समय ड्राइवर सूपरविजन की आवश्यकता होगी। रिपोर्ट में कहा, ड्राइवर को कार के स्टीयरिंग व्हील पर हाथ रखाना होगा और नियंत्रण करने के लिए तैयार रहना होगा। मस्क एफएसडी पैकेज खरीदने वाले ग्राहकों को फुल सेल्फ-ड्राइविंग (एफएसडी) बीटा सॉफ्टवेयर के व्यापक रिलीज का वादा किया है, लेकिन रिलीज में कुछ समय के लिए देरी हुई है। हाल ही में, सीईओ ने टेस्ला को एक नए एफएसडी बीटा वर्जन10 अपडेट को आगे बढ़ाते हुए व्यापक रिलीज किया है, जो आने वाले हफ्तों में दो और बिंदु रिलीज के बाद अपेक्षित है। टेस्ला के सीईओ ने कहा कि व्यापक रिलीज (डाउनलोड बटन) सितंबर के अंत तक हो जाएगा। मस्क ने पहले कहा था कि टेस्ला पिछले कुछ हफ्तों से आंतरिक रूप से नए सॉफ्टवेयर का परीक्षण कर रहा है।

मुद्रास्फीति के आंकड़ों, वैश्विक रुख से तय होगी बाजार की दिशा

बिजनेस डेस्क:

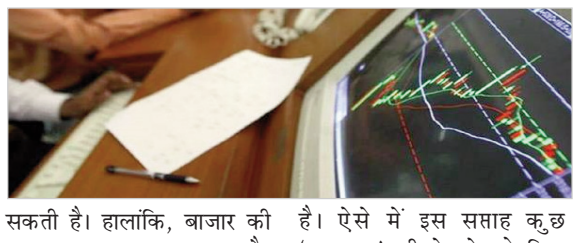

शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह मुद्रास्फीति के आंकड़ों तथा वैश्विक रुख से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों ने कहा कि बाजार की कुल धारणा सकारात्मक है। इसे बेहतर आर्थिक आंकड़ों तथा कंपनियों के तिमाही नतीजों से समर्थन मिला है। हालांकि, ऊंचे मूल्यांकन के बीच बाजार में कुछ मुनाफावसूली भी देखने को मिल सकती है। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 175.12 अंक या 0.30 प्रतिशत के लाभ में रहा। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा, ''वैश्विक संकेतक हमारे बाजार के व्यवहार को प्रभावित करते रहेंगे। इस सप्ताह चीन के औद्योगिक उत्पादन तथा अमेरिका की मुद्रास्फीति जैसे कुछ वृहद आर्थिक आंकड़े आने हैं। घरेलू मोर्चे पर 14 सितंबर को अगस्त माह की थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े आने हैं।'' मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के खुदरा शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा कि डेल्टा वैरिएंट के मामले बढ़ रहे हैं। इसके चलते आर्थिक सुस्ती की आशंका बन रही है। ऐसे में निवेशकों की निगाह वैश्विक संकेतकों पर रहेगी। उन्होंने कहा कि मूल्यांकन भी संतोषजनक स्तर को पार कर चुका है। ऐसे में बाजार में उतार-चढ़ाव तथा मुनाफावसूली देखने को मिल सकती है। हालांकि, बाजार की कुल धारणा सकारात्मक है। बाजार को डॉलर के मुकाबले रुपए की चाल, ब्रेंट कच्चे तेल के दाम तथा विदेशी निवेशकों के रुख से भी दिशा मिलेगी।

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''इस सप्ताह बाजार की दृष्टि से मुद्रास्फीति का आंकड़ा महत्वपूर्ण होगा।'' सैमको सिक्योरिटीज के एक नोट में कहा गया है कि बाजार में जोरदार तेजी है। ऐसे में इस सप्ताह कुछ 'रुकावट' भी देखने को मिल सकती है। नायर ने कहा कि भारतीय बाजार 30 अगस्त से तीन सितंबर के सप्ताह के दौरान दर्ज तेजी के सिलसिले को कायम नहीं रख सके। कमजोर वैश्विक रुख से बाजार में उतार-चढ़ाव रहा। रिलायंस सिक्योरिटीज के रणनीति प्रमुख विनोद मोदी ने कहा कि रिकॉर्ड उच्चस्तर के बाद घरेलू बाजारों में कुछ 'थकान' देखने को मिल रही है।

सीबीडीटी ने 70 हजार करोड़ रुपये का टैक्स रिफंड किया जारी

नई दिल्ली।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने एक ट्वीट में लिखा कि चालू वित्त वर्ष में अब तक 26 लाख से अधिक करदाताओं को 70,120 करोड़ रुपये से अधिक का रिफंड जारी किया है। रविवार को एक ट्वीट में, आयकर विभाग ने कहा, कुल रिफंड में से आयकर रिफंड में 16,753 करोड़ रुपये और कॉर्पोरेट टैक्स रिफंड 53,367 करोड़ रुपये के थे। ट्वीट में कहा, सीबीडीटी ने 1 अप्रैल, 2021 से 6 सितंबर, 2021 के बीच 26.09 लाख से अधिक करदाताओं को 70,120 करोड़ रुपये से अधिक का रिफंड जारी किया है। 24,70,612 मामलों में 16,753 करोड़ रुपये का आयकर रिफंड जारी किया गया है और 53,367 करोड़ रुपये के कॉर्पोरेट टैक्स रिफंड जारी किए गए हैं। 1,38,801 मामलों में जारी किया गया है। आईटी विभाग ने अपने टैक्स प्रोसेसिंग सिस्टम को सुचारू करने की कोशिश की है जो त्वरित मूल्यांकन और समय पर रिफंड की पीढ़ी का समर्थन कर रहा है। महामारी के मद्देनजर, विभाग प्रक्रियाओं को पूरा करने के लिए अतिरिक्त प्रयास कर रहा है ताकि रिफंड जल्दी से उत्पन्न किया जा सके और करदाताओं की तरलता की स्थिति सुनिश्चित करने में मदद मिल सके। इसके अलावा, आयकर रिटर्न दाखिल करने में करदाताओं और अन्य हितधारकों द्वारा रिपोर्ट की गई कठिनाइयों और आयकर अधिनियम, 1961 के तहत आकलन वर्ष 2021-22 के लिए ऑडिट की विभिन्न रिपोर्टों के कारण, सीबीडीटी ने हाल ही में कई अनुपालनों के लिए समय सीमा बढ़ा दी है, जिसमें निर्धारण वर्ष 2021-22 के लिए आयकर रिटर्न फाइलिंग भी शामिल है। निर्धारण वर्ष 2021-22 के लिए आय विवरणी प्रस्तुत करने की डीयू डेट 30 सितंबर से बढ़ाकर 31 दिसंबर कर दी गई है। इसने यह भी निर्णय लिया है कि पिछले वर्ष 2020-21 के लिए अधिनियम के किसी भी प्रावधान के तहत ऑडिट की रिपोर्ट प्रस्तुत करने की डीयू डेट को बढ़ाकर 15 जनवरी, 2022 कर दिया गया है।

जोमेटो ने किराना डिलीवरी सर्विस की बंद

नई दिल्ली।

खाद्य प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी जोमैटो ने बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच अपनी किराना डिलीवरी सेवा को दूसरी बार बंद करने का फैसला किया है। कंपनी का मानना है कि ग्रोफर्स में उसके निवेश से उसके इन-हाउस ग्रॉसरी प्रयास की तुलना में बेहतर परिणाम मिलेंगे। जोमेटो ने अपने किराना भागीदारों को एक मेल के माध्यम से सूचित किया है कि वह 17 सितंबर से अपनी पायलट सेवा को बंद करने की योजना बना रहा है। जोमेटो के प्रवक्ता ने कहा, हमने अपने ग्रॉसरी पायलट को बंद करने का फैसला किया है और अब तक, हमारे प्लेटफॉर्म पर किराना डिलीवरी के किसी अन्य रूप को चलाने की कोई योजना नहीं है। प्रवक्ता ने कहा, ग्रोफर्स ने 10 मिनट की किराना में उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद बाजार को फिट पाया है और हमें विश्वास है कि कंपनी में हमारा निवेश हमारे शेयरधारकों के लिए हमारे इन-हाउस किराना प्रयास से बेहतर परिणाम देगा। हाल ही में सूचीबद्ध कंपनी ने अपने ग्राहकों को 45 मिनट के भीतर डिलीवरी की पेशकश करते हुए चुनिंदा बाजारों में अपनी किराना सेवा पायलट शुरू की थी। पिछले महीने, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने जोमेटो द्वारा ई-किराना ग्रोफर्स में 9.3 प्रतिशत हिस्सेदारी के प्रस्तावित अधिग्रहण को मंजूरी दी थी। इस अधिग्रहण में जोमेटो द्वारा ऑनलाइन ग्रोसर में 10 करोड़ डॉलर का निवेश शामिल है।

सरकार ने एनसीएलटी, आईटीएटी में 31 सदस्यों की नियुक्ति की

नयी दिल्ली,

उच्चतम न्यायालय के विभिन्न न्यायाधिकरणों में रिक्तियों को लेकर चिंता जताने के बीच सरकार ने एनसीएलटी और आईटीएटी में 31 लोगों को न्यायिक, तकनीकी और लेखाकार सदस्यों के रूप में नियुक्त किया है। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) मुख्य रूप से कंपनी कानून और दिवाला कानून से संबंधित मामलों को देखता है, जबकि आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण (आईटीएटी) आयकर मामलों से संबंधित है। ये नियुक्तियां ऐसे समय में भी हुई हैं जब उच्चतम न्यायालय ने यह कहते हुए चिंता जतायी है कि केंद्र सरकार कर्मचारियों की कमी का सामना कर रहे अर्ध-न्यायिक निकायों में अधिकारियों की नियुक्ति ना करके उन न्यायाधिकरणों को ÷निष्क्रिय÷ कर रही है। गौरतलब है कि एनसीएलटी, डीआरटी, टीडीसैट और एसएटी जैसे विभिन्न प्रमुख न्यायाधिकरणों और अपीलीय न्यायाधिकरणों में लगभग 250 पद खाली पड़े हैं। मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति के फैसलों के आधार पर कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग द्वारा 11 सितंबर को जारी अलग-अलग संचार के अनुसार, एनसीएलटी में आठ न्यायिक और 10 तकनीकी सदस्यों को नियुक्त किया गया है, जबकि आईटीएटी में छह न्यायिक और सात लेखाकार सदस्यों को नियुक्त किया गया है। एनसीएलटी में नियुक्तियां पदभार संभालने की तारीख से पांच साल की अवधि तक या 65 साल की आयु तक या अगले आदेश तक के लिए होंगी। वहीं आईटीएटी में नियुक्तियां चार साल की अवधि के लिए की गयी हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

नॉर्थईस्ट युनाइटेड एफसी के साथ शामिल हो कर बहुत खुश हूं: हर्नान सैन्टाना

गुवाहाटी। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2020/21 सेमीफाइनलिस्ट नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी ने भारत की प्रमुख फुटबॉल लीग के नए सत्र से पहले स्पेनिश मिडफील्डर हर्नान सैन्टाना को टीम में शामिल करने की घोषणा की है। सैन्टाना ने ट्विटर पर लिखा, नॉर्थईस्ट युनाइटेड एफसी के साथ शामिल हो कर बहुत खुश हूं। अपने करियर में इस नए अध्याय को शुरू करने और लीग एक्शन में वापस आने के लिए उत्सुक हूं। 31 वर्षीय ने पिछले सीजन में मुंबई सिटी एफसी की जीत में बड़ी भूमिका निभाई थी। सैन्टाना ने 19 मैचों में भाग लिया और सर्जियो लोबेरा की ओर से दो गोल किए जिन्होंने लीग शील्ड के साथ-साथ आईएसएल ट्रॉफी भी जीती। सैन्टाना ने अपने करियर की शुरूआत स्पेन के यूडी लास पालमास में की और अपनी अंडर-19 टीम से आगे बढ़कर बी टीम और बाद 2011 में सीनियर टीम में पहुंचे। यह लास पालमास में था जहां सैन्टाना ने 2012 और 2014 के बीच दो सत्रों के लिए लोबेरा से खेला था। सैन्टाना ने लास पालमास के लिए छह सत्रों में 133 गोल किए, जिसमें स्पेनिश ला लीगा में तीन सत्र शामिल थे।

दासुन शनाका टी 20 विश्व कप 2021 के लिए 15 सदस्यीय श्रीलंकाई टीम का नेतृत्व करेंगे

कोलंबो।

दासुन शनाका इस साल अक्टूबर-नवंबर में यूएई और ओमान में होने वाले आगामी आईसीसी पुरुष टी 20 विश्व कप 2021 के लिए 15 सदस्यीय श्रीलंकाई टीम का नेतृत्व करेंगे। श्रीलंका अपने अभियान की शुरूआत 18 अक्टूबर को नामीबिया के खिलाफ पहले दौर के ग्रुप ए में अबू धाबी में करेगा। स्कावड में निरोशन डिकवेला, कुसल मेंडिस और दनुष्का गुणथिलाका का नाम शामिल नहीं था, जिन्हें जुलाई में इंग्लैंड के दौरे पर कोविड -19 प्रोटोकॉल तोड़ने के लिए एक साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया था। चोट के बाद कुसल परेरा की वापसी से परेरा की गैरमौजूदगी में विकेटकीपिंग कर रहे मिनोड भानुका का भी नाम शामिल नहीं किया गया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले मैच में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाले 21 वर्षीय ऑफ स्पिनर महेश थेक्षाना को शामिल किया गया है। युवा खिलाड़ी ने इस सप्ताह की शुरूआत में अपने वनडे डेब्यू में चार विकेट लिए थे। टीम में शामिल अन्य स्पिनरों में बाएं हाथ के प्रवीण जयविक्रेमा हैं, जिन्होंने इस साल की शुरूआत में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था, और वानिंदु हसरंगा का नाम शामिल है। जयविक्रेमा टीम में एकमात्र अनकैप्ड सदस्य हैं, लेकिन उन्हें अन्य प्रारूपों में उनके शानदार प्रदर्शन के आधार पर शामिल किया गया है। उन्होंने अप्रैल में बांग्लादेश के खिलाफ शानदार टेस्ट डेब्यू किया था, उन्होंने मैच में 11 विकेट लिए थे। उन्होंने अब तक पांच वनडे खेले हैं और पांच विकेट लिए हैं। तेज गेंदबाजी विभाग का नेतृत्व अनुभवी सीमर नुवान प्रदीप और ऑलराउंडर चमिका करुणारत्ने के साथ दुष्मंथा चमीरा करेंगे। श्रीलंका को टी20 विश्व कप से पहले 7 और 9 अक्टूबर को ओमान के खिलाफ दो टी20 मैचों में हिस्सा लेने के लिए 3 अक्टूबर को ओमान के लिए रवाना होना है। श्रीलंका अपना टी20 विश्व कप अभियान शुरू करने से पहले 12 और 14 अक्टूबर को आईसीसी द्वारा आयोजित विश्व कप के दो अभ्यास मैच भी खेलेगा। श्रीलंका क्रिकेट के सीईओ एशले डी सिल्वा ने कहा, हम विश्व कप में अधिक से अधिक मैच खेलना चाहते हैं, इसी तरह की परिस्थितियों में टीम यूएई में अनुभव करेगी। ओमान के खिलाफ खेल और आईसीसी के दो अभ्यास मैच हमें इस अवसर की अनुमति देंगे। लाहिरू कुमारा, बिनुरा फर्नांडो, अकिला धनंजय और पुलिना थरंगा को चार रिजर्वों के रुप में नामित किया है।

रेयान टेन डोएस्चेट ने 2021 के अंत में पेशेवर क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया

चेमस्फोर्ड।

नीदरलैंड के ऑलराउंडर रेयान टेन डोएस्चेट ने 2021 के अंत में पेशेवर क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। 41 वर्षीय रेयान डोएस्चेट को ओमान और यूएई में होने वाले आगामी टी20 विश्व कप के लिए नीदरलैंड की टीम में शामिल किया गया है। रेयान डोएस्चेट ने 2006 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट डेब्यू करते हुए दक्षिण अफ्रीका में एक प्री-सीजन मैच के दौरान ग्राहम गूच को प्रभावित किया जिसके बाद 2003 में डोएस्चेट को एसेक्स क्लब में शामिल होने का मौका मिला। डोएस्चेट ने सभी प्रारूपों में 554 मैच खेले जिसमें उन्होंने 17,046 रन बनाए और 348 विकेट लिए। एसेक्स द्वारा जारी एक बयान में रेयान डोएस्चेट ने कहा, मैं उन सभी को धन्यवाद देना चाहता हूं जो क्लब में मेरे साथ खेले हैं। इस माहौल में खेलने का शानदार अनुभव रहा है, यह एक ऐसा संगठन जिसके भीतर व्यक्ति विकास होता है। इसका हिस्सा बनने पर मुझे बेहद गर्व है। उन्होंने नीदरलैंड के लिए 33 वनडे और 22 टी20 मैच खेले हैं। वह 2019 में टी 20 विश्व कप क्वालीफायर में अपने खिताब का बचाव करने में अपनी टीम के दूसरे सबसे बड़े स्कोरर थे। रेयान डोएस्चेट ने 2011 से 2015 तक इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेला और 2012 और 2014 में ट्रॉफी जीतने वाली टीमों के सदस्य थे। कुल मिलाकर, डोएस्चेट ने कोलकाता के लिए 29 मैच खेले, जिसमें 23.28 के औसत से 326 रन बनाए और दो विकेट चटकाए।

अमेरिकी ओपन की उपविजेता ने 9/11 की बरसी पर कहा- न्यूयॉर्क के जज्बे से मिली मजबूती

न्यूयॉर्क:

अमेरिकी ओपन की उपविजेता लेला फर्नांडिज ने 9/11 आतंकवादी हमलों की 20वीं बरसी पर कहा कि न्यूयॉर्क के जज्बे से उन्हें मजबूती मिली है। उन्होंने अमेरिकी ओपन के दो सप्ताह के दौरान लोगों से मिले समर्थन पर आभार जताते हुए अमेरिका पर 11 सितंबर 2001 को हुए आतंकवादी हमले की 20वीं बरसी पर कहा कि न्यूयॉर्क की ताकत ने उन्हें और मजबूत बना दिया है। अमेरिकी ओपन के फाइनल में ब्रिटेन की क्वालीफायर एमा राडुकानु से 4-6, 3-6 से मैच गंवाने के बाद उन्होंने कहा कि मुझे पता है कि यह दिन न्यूयॉर्क और अमेरिका के सभी लोगों के लिए काफी मुश्किल है। मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि मुझे उम्मीद है कि मैं उतनी ही मजबूती और लचीलापन बनाये रखूं, जितना कि न्यूयॉर्क पिछले 20 वर्षों में रहा है। 19 साल की खिलाड़ी ने कहा कि बस उनका (न्यूयॉर्क के लोगों) यहां होना, खुश, जीवंत रहने के साथ इस मुश्किल समय में मजबूती से मेरा साथ देना शानदार रहा। इसने मुझे और मजबूत बनाया।

पीएम मोदी ने पैरालिंपियनों से कहा-आपकी उपलब्धियां नए एथलीटों को प्रोत्साहित करेंगी

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को ट्वीट में पोस्ट किए गए एक ट्रेलर वीडियो में कार्यक्रम की एक झलक साझा की, जिसमें वह भारत के टोक्यो पैरालंपिक सितारों के साथ बातचीत करते नजर आ रहे हैं। इससे पहले इस हफ्ते पीएम मोदी ने अपने सरकारी आवास पर पैरालिंपियंस से खास बातचीत की थी। उन्होंने पैरालंपिक पदक विजेताओं के साथ खुलकर बातचीत की और उनसे उनकी यात्रा, संघर्ष और सफल एथलीट बनने के तरीकों के बारे में पूछा।भारतीय पैरालंपिक दल के साथ पीएम मोदी की बातचीत की फुटेज रविवार को ट्विटर पर उनके आधिकारिक हैंडल से साझा की गई। पीएम मोदी ने पैरा-एथलीटों के साथ बातचीत के दौरान कहा, आपकी उपलब्धि देश में पूरे खेल समुदाय के मनोबल को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा देगी, और उभरते खिलाड़ी खेलों में आगे आने के लिए प्रोत्साहित महसूस करेंगे। आपकी अदम्य भावना और इच्छाशक्ति प्रशंसनीय है। प्रधानमंत्री ने कहा, पूरा दल जापान में अपने प्रदर्शन के साथ भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए श्रेय का हकदार है। जब आप भारत के लिए खेलते हैं, तो आप भारत के राजदूत होते हैं और वे आपके माध्यम से देश को देखते हैं। उन्होंने एथलीटों से लगातार हार का सामना करने और समाज के अनुसरण के लिए एक उदाहरण स्थापित करने का भी आग्रह किया। एक सच्चा खिलाड़ी हार या जीत के चक्कर में नहीं पड़ता और आगे बढ़ता रहता है। सभी पदक विजेताओं द्वारा हस्ताक्षरित एक स्टोल भी प्रधानमंत्री को भेंट की गई।

इस बीच, पैरा-एथलीटों ने अपने आवास पर उनकी मेजबानी करने के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। भारत ने टोक्यो पैरालिंपिक 2020 में पांच स्वर्ण, सात रजत और छह कांस्य पदक जीते।

संक्षिप्त समाचार

ब्रिटेन की एम्मा राडुकानू बनीं यूएस ओपन महिला चैंपियन

न्यूयोर्क। ग्रेट ब्रिटेन की एम्मा राडुकानू ने रविवार को कनाडा की 19 वर्षीय लेयला फर्नांडीज को 6-4, 6-3 से हरा कर यूएस ओपन महिला चैंपियन बन गई हैं। यह राडुकानू का पहला ग्रैंड स्लैम खिताब है। वह 2014 में सेरेना विलियम्स के बाद से एक भी सेट गंवाए बिना यूएस ओपन जीतने वाली पहली महिला हैं। रूस की मारिया शारापोवा ने 17 साल की उम्र में 2004 का विंबलडन जीता था, इसके बाद राडुकानू सबसे कम उम्र की ग्रैंड स्लैम चैंपियन हैं। दुनिया की 150वें नंबर की रैंक वाली राडुकानू यूएस ओपन खिताब जीतने वाली सबसे कम रैंकिंग वाली खिलाड़ी हैं। ऐसा माना जा रहा है कि वह सोमवार तक वह 23वें रैंक तक पहुंच जाएंगी। राडुकानू ने ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाली पहली क्वालीफायर बनकर इतिहास रच दिया। वह गुरुवार को ग्रैंड स्लैम फाइनल में जगह बनाने वाली पहली क्वालीफायर बन गई थीं। वह 40 से अधिक वर्षों में ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाली पहली ब्रिटिश महिला भी हैं। राडुकानू ने शुरआती के दो सेटों में शक्ति और सटीकता का मिश्रण किया, जैसा कि उसने यहां अपने पिछले सभी मैचों में किया था। दुनिया के 73वें नंबर के फर्नांडीज के खिलाफ, राडुकानू के ने फर्नांडीज के 18 के मुकाबले 22 विनर्स लगाए।

भारतीय महिला हॉकी टीम की रेलवे में कार्यरत सदस्यों का हुआ सम्मान

मुंबई : भारतीय महिला हॉकी टीम की रेलवे में कार्यरत खिलाड़ियों को पूर्व खिलाड़ी हैपी मान और अन्य द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। मान के अलावा पूर्व हॉकी खिलाड़ियों में ओलिम्पियन सेलमा डिसिल्वा और अर्जुन पुरस्कार प्राप्त तिगोलेमा और हेलन मैरी ने सुशीला चानू (पूर्व कप्तान, 2016 ओलिम्पिक), वंदना कटारिया और रजनी इतिमारपू (सभी मध्य रेलवे से जुड़ी) को सम्मानित किया। भारतीय महिला हॉकी टीम टोक्यो ओलिम्पिक में चौथे स्थान पर रही थी। मोनिका मलिक (मध्य रेलवे), नवनीत कौर और दीप ग्रेस एक्का (पश्चिमी रेलवे में कार्यरत) को भी हाल में आयोजित इस कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। इस मौके पर मान ने कहा कि हम रेलवे के प्रति आभार व्यक्त करते हैं जो हमेशा ही हॉकी और अन्य खेलों के लिये प्रेरणा का स्रोत रहा है। हम हॉकी का समर्थन और जूनियर खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करना जारी रखेंगे तथा देश का झंडा ऊंचा रखेंगे और रेलवे का मान बढ़ाएंगे। भारत के लिए ओलिम्पिक में पहली हैट्रिक करने वाली वंदना कटारिया ने भी रेलवे का समर्थन करने के लिए प्रशंसा की। कटारिया ने कहा कि रेलवे ने नौकरी देकर और भारत के लिए खेलने की अनुमति देकर हमारा पूरा ध्यान रखा है। भारतीय टीम की काफी सारी खिलाड़ी रेलवे से जुड़ी हैं जो भारतीय महिला हॉकी में उनका योगदान बयां करता है। उन्होंने क्षेत्रीय टूर्नामेंट आयोजित किया जिससे काफी प्रतिभायें मिली। पूर्व कप्तान सुशीला चानू ने सम्मानित किए जाने के बाद कहा कि अगला लक्ष्य एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने का है क्योंकि इससे हम पेरिस ओलिम्पिक के लिए सीधे क्वालीफाई कर लेंगे।

रविचंद्रन अश्विन को एकादश में फिट करने का तरीका खोजने की जरूरत: इयान चैपल

सिडनी।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल ने कहा कि भारत को ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को एकादश में फिट करने का तरीका खोजने की जरूरत है। खासकर इस साल की शुरूआत में ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2020/21 में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद चैपल को लगता है कि अश्विन सभी परिस्थितियों में एक अच्छे गेंदबाज हैं। चैपल ने रविवार को ईएसपीएन क्रिकइन्फो के लिए अपने कॉलम में लिखा, भारत के सर्वश्रेष्ठ संयोजन में आर अश्विन शामिल हैं। वह सभी परिस्थितियों में एक अच्छा गेंदबाज है, जैसा कि उसने ऑस्ट्रेलिया में साबित किया, इसलिए भारत को उसे इलेवन में फिट करने के लिए एक रास्ता खोजने की जरूरत है। चैपल का मानना है कि जडेजा, अश्विन, पांड्या और ऋषभ पंत की विशेषता वाला मध्य क्रम भारत के लिए निचले क्रम के पर्याप्त रन प्रदान कर सकता है। चैपल ने कहा,यह इस भारतीय पक्ष की महान ताकत है। उनके पास पर्याप्त बल्लेबाजी है। मध्य क्रम में जडेजा, ऋषभ पंत, पंड्या और अश्विन टीम को काफी मजबूती दे सकते हैं और फिर तीन तेज गेंदबाजों के साथ टीम का शानदार संतुलन बनेगा। 77 वर्षीय चैपल ने अपनी पसंद के मध्य क्रम के बल्लेबाजों के फायदे बताए। उन्होंने कहा, उस मध्य क्रम के बारे में दूसरी अच्छी बात यह है कि यह स्थिति के अनुसार आप किसी को भी खेला सकते हैं। कौशल के अनुसार, पंत उस लॉट का सबसे अच्छा बल्लेबाज है। वह स्थिति की मांग पर संयम करने में सक्षम है, इसलिए वह आसानी से नंबर 5 को संभाल सकता है, खासकर जब भारत पहले बल्लेबाजी करता है। हालांकि, अगर उनका मैदान में लंबा कार्यकाल रहा है, तो वह जडेजा को पांच पर आने की अनुमति देने के क्रम को नीचे गिरा सकते हैं। पंड्या में भी नंबर 5 को संभालने की क्षमता है, और प्रोत्साहन दिए जाने पर वह भूमिका को पूरा कर सकते हैं। चैपल ने कहा, उस तिकड़ी की एक और विशेषता उनका शक्तिशाली स्ट्रोकप्ले है। टेस्ट क्रिकेट में स्कोरिंग दर में तेजी लाने की क्षमता आवश्यक है और ये तीनों पारी की अच्छी शुरूआत का लाभ उठाने के लिए एक आदर्श खिलाड़ी हैं।

आईपीएल 2021: यूएई आने पर उत्साहित हूं: बोल्ट

अबुधाबी।

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने कहा कि वह आईपीएल 2021 के दूसरे चरण से पहले यूएई आने पर उत्साहित हैं। आईपीएल 2021 के पहले भाग में बोल्ट ने सात मैचों में 8.46 के औसत से आठ विकेट लिए। रविवार को मुंबई इंडियंस द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में बोल्ट ने कहा, मैंने कुछ महीनों का आनंद लिया है। मैं यहां वापस आने के बाद काफी उत्साहित हूं। यहां बहुत गर्मी है। छह दिनो का क्वारंटीन खत्म हो गया है, अब टीम में शामिल होने के लिए उत्साहित हूं बोल्ट ने कहा, निश्चित रूप से कुछ अच्छी यादें हैं। उसी होटल, उसी कमरे में वापस आना। अद्भुत टीम रूम और जाहिर है, सुविधाएं बिल्कुल समान हैं। इसलिए उम्मीद है कि हम अपनी यादें ताजा कर सकते हैं। बोल्ट ने कहा, मुझे लगता है कि मैं अभी यहां आया हूं इसलिए मुझे शायद अधिक गर्मी का सामना करना पर रहा है। मुझे अभ्यस्त होने समय लगेगा। डिफेंडिंग चैंपियंस मुंबई इंडियंस 19 सितंबर को दुबई में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आईपीएल 2021 अभियान के अपने दूसरे चरण की शुरूआत करेगी।

न्यूजीलैंड की टीम 18 साल बाद पाकिस्तान पहुंची

इसलामाबाद। न्यूजीलैंड की टीम 18 साल बाद सफेद गेंद के दौरे के लिए तीन वनडे और पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए पाकिस्तान पहुंची है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा जारी यात्रा कार्यक्रम के अनुसार, टॉम लैथम की अगुवाई वाली टीम शनिवार को इस्लामाबाद हवाई अड्डे पर उतरी । 15 सितंबर से अभ्यास शुरू करने से पहले टीम को तीन दिन के आइसोलेशन में रहना होगा। 2002 में कराची में टीम होटल के बाहर बम विस्फोट के बाद में न्यूजीलैंड ने अपना पाकिस्तान दौरा छोड़ दिया था। ब्लैक कैप्स ने 2003 में पांच वनडेमैच खेला था जो कि वह पाकिस्तान का आखिरी दौरा था। रावलपिंडी में 17, 19, 21 सितंबर को खेले जाने वाले तीन वनडे की गिनती आईसीसी वनडे सुपर लीग में नहीं होगी और इसे द्विपक्षीय सीरीज के तौर पर खेला जाएगा। पाकिस्तान के नौ मैचों में से चार जीत से 40 अंक हैं, वह तालिका में छठे स्थान पर है। न्यूजीलैंड ने तीनों मैच जीते हैं, 30 अंक जुटाए हैं और तालिका में दसवें स्थान पर है। तीन वनडे मैचों के बाद, न्यूजीलैंड पाकिस्तान के खिलाफ सितम्बर 25, 26, 29 अक्टुबर 1 और 3 को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पांच टी20 मैच खेलेगा।

बांग्लादेशी टीम टी 20 विश्व कप जीतने के मकसद से मैदान में उतरेगी: शाकिब

डाका।

पूर्व बांग्लादेशी कप्तान और दिग्गज हरफनमौला शाकिब अल हसन का कहना है कि उनकी टीम टी 20 विश्व कप जीतने के मकसद से मैदान में उतरेगी। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश के पास विश्व कप की तैयारियों के लिए पर्याप्त समय है और ऑस्ट्रेलिया व न्यूजीलैंड को सीरीज हराने के बाद टीम का मनोबल भी काफी ऊंचा है। बांग्लादेश की टीम टूनार्मेंट के अपने पहले मैच से लगभग दो सप्ताह पहले ओमान की राजधानी मस्कट में पहुंच जाएगी। वहीं शाकिब और मुस्तफिजुर रहमान वहां पहले से आईपीएल खेल रहे होंगे। शाकिब ने कहा, मुझे उम्मीद है कि आईपीएल से हमें टी 20 विश्व कप की तैयारियों में मदद मिलेगी। हम उन्हीं पिचों और परिस्थितियो में खेलेंगे, जहां विश्व कप खेला जाना है। फिज और मैं, अपने अनुभव टीम के साथ भी साझा करेंगे, जो कि काफी उपयोगी होगा। शाकिब ने आगे कहा, इसके अलावा पूरी टीम भी विश्व कप के 15-16 दिन पहले ओमान पहुंच जाएगी, जिससे टीम को पिच और परिस्थितियों को समझने में मदद मिलेगी। हम जीतने की मानसिकता से वहां जा रहे हैं, जो विश्व कप के हमारे अभियान में काफी सहायक होगा। हालांकि शाकिब ने ढाका के शेरे बांग्ला स्टेडियम के पिच की फिर से आलोचना की, जहां पर बांग्लादेशी टीम ने ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड को हराकर लगातार दो टी20 सीरीज जीता है। शाकिब ने दोनों सीरीज में 100 से अधिक रन बनाए, हालांकि धीमी पिचों के कारण उनका स्ट्राइक रेट केवल 97.54 का रहा। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच की समाप्ति के बाद शाकिब ने कहा था कि ढाका कि यह पिच बल्लेबाजों की विश्व कप तैयारी में बिल्कुल भी सहायक नहीं है। उन्होंने कहा, इस पिच पर लगातार नौ मैच खेलने वाले बल्लेबाजों को अपना प्रदर्शन भूलना होगा, नहीं तो वे विश्व कप में दबाव के साथ जाएंगे। अगर कोई बल्लेबाज इस पिच पर 10 से 15 मैच खेल ले तो उसका करियर समाप्त हो सकता है। इससे अच्छा इसे भूल जाना ही बेहतर है क्योंकि हमें विश्व कप में देश के लिए खेलना और जीतना है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि लगातार मैच और सीरीज जीतना टीम के लिए बहुत अच्छा है क्योंकि इससे टीम बढ़े हुए मनोबल के साथ टी20 विश्व कप में उतरेगी।

रोनाल्डो ने मैन यूनाइटेड के लिए दूसरे पदार्पण पर ब्रेस स्कोर किया

मैनचेस्टर। क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने शनिवार को मैनचेस्टर यूनाइटेड में वापसी करते हुए अपने पहले मैच में कई गोल किए। रोनाल्डो ने दो बार गोल किए, पहले हाफ में जोड़े गए समय में और फिर 62वें मिनट में क्लब के लिए अपने दूसरे डेब्यू पर रेड डेविल्स ने ओल्ड ट्रैफर्ड में न्यूकैसल यूनाइटेड को 4-1 से हराया। ब्रूनो फर्नांडीस (80वें मिनट) और जेसी लिंगार्ड (90प्लस2) ने देर से गोल करके मैनचेस्टर यूनाइटेड को चार मैचों में 10 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर पहुंचा दिया। मैनचेस्टर सिटी नौ अंकों के साथ दूसरे स्थान पर थी। रोनाल्डो हाल ही में मैनचेस्टर यूनाइटेड चले गए थे, जिस क्लब में उन्होंने इतालवी चैंपियन जुवेंटस से अपना नाम बनाया था। यूनाइटेड से, पुर्तगाली सुपरस्टार स्पेनिश दिग्गज रियल मैड्रिड गए थे।12 साल के अंतराल के बाद यूनाइटेड के लिए अपनी पसंदीदा भूमिका में वापस, सीआर7 को आगे बढ़ने के लिए पहले हाफ की जरूरत थी क्योंकि उसने पहले हाफ में चोट लगने के समय में यूनाइटेड के लिए स्कोरिंग की शुरूआत की थी। 12 साल 124 दिन पहले रोनाल्डो ने मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए अपना 84वां और आखिरी गोल किया था। हालांकि न्यूकैसल ने जेवियर मैनक्विलो के माध्यम से दूसरे हाफ की शुरूआत में समानता बहाल की, रोनाल्डो ने 62वें मिनट में यूनाइटेड को फिर से आगे कर दिया, ल्यूक शॉ द्वारा गोलकीपर वुडमैन के पैरों के बीच बाएं पैर में फिसलने के लिए एक इंच-परफेक्ट पास का फायदा उठाया। 36 साल 281 दिनों में, रोनाल्डो प्रीमियर लीग मैच में ब्रेस स्कोर करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। शनिवार को अन्य मैचों में, आर्सेनल ने नॉर्विच को 1-0 से हराया, मैनचेस्टर सिटी ने लीसेस्टर सिटी को एकान्त गोल से हराया, ब्रेंटफोर्ड को ब्राइटन से 0-1 से, वॉल्वरहैम्प्टन ने वाटफोर्ड को 2-0 से हराया जबकि क्रिस्टल पैलेस ने टोटेनहम हॉटस्पर को 3-0 से हराया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता: को ही सिद्ध करती है तुलसीदास जी रचित रामचरित मानस

तुलसीदास जी रचित रामचरित मानस में नारियों को सम्मान जनक रूप में प्रस्तुत किया है। जिससे 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता:' ही सिद्ध होता है। नारियों के बारे में उनके जो विचार देखने में आते हैं उनमें से कुछ इस प्रकार हैं:-

धीरज, धर्म, मित्र अरु नारी।
आपद काल परखिए चारी।।

अर्थात धीरज, धर्म, मित्र और पत्नी की परीक्षा अति विपत्ति के समय ही की जा सकती है। इंसान के अच्छे समय में तो उसका हर कोई साथ देता है, जो बुरे समय में आपके साथ रहे वही आपका सच्चा साथी है। उसीके ऊपर आपको सबसे अधिक भरोसा करना चाहिए।

जननी सम जानहिं पर नारी।
तिन्ह के मन सुभ सदन तुम्हारे ।।

अर्थात जो पुरुष अपनी पत्नी के अलावा किसी और स्त्री को अपनी मां सामान समझता है, उसी के हृदय में भगवान का निवास स्थान होता है। जो पुरुष दूसरी नारियों के साथ संबंध बनाते हैं वह पापी होते हैं, उनसे ईश्वर हमेशा दूर रहता है।

मूढ़ तोहि अतिसय अभिमाना ।
नारी सिखावन करसि काना ।।

अर्थात भगवान राम सुग्रीव के बड़े भाई बाली के सामने स्त्री के सम्मान का आदर करते हुए कहते हैं, दुष्ट बाली तुम अज्ञानी पुरुष तो हो ही लेकिन तुमने अपने घमंड में आकर अपनी विद्वान पत्नी की बात भी नहीं मानी और तुम हार गए। मतलब अगर कोई आपको अच्छी बात कह रहा है तो अपने अभिमान को त्यागकर उसे सुनना चाहिए, क्या पता उससे आपका फायदा ही हो जाए।

तुलसी देखि सुबेषु भूलहिं
मूढ़ न चतुर न सुन्दर ।
केकिहि पेखु बचन सुधा
सम असन अहि ।।

अर्थात तुलसीदास जी कहते हैं सुन्दर लोगों को देखकर मुर्ख लोग ही नहीं बल्कि चालाक मनुष्य भी धोखा खा जाता है। सुन्दर मोरों को ही देख लीजिए उनकी बोली तो बहुत मीठी है लेकिन वह सांप का सेवन करते हैं। इसका मतलब सुन्दरता के पीछे नहीं भागना चाहिए। चाहे कोई भी हो। तमाम सीमाओं और अंतर्विरोधों के बावजूद तुलसी लोकमानस में रमे हुए कवि हैं। उनका सबसे प्रचलित दोहा जिसे सबने अपने तरीके से तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत किया। हमेशा विवादों के घेरे में आ जाता है। कई महिला संगठनों ने तो इसका घोर विरोध भी किया।

प्रभु भल कीन्ह मोहि सिख दीन्हीं।
मरजादा पुनि तुम्हरी कीन्हीं।
ढोल गंवार सूद्र पसु नारी।
सकल ताड़ना के अधिकारी।

अर्थात प्रभु ने अच्छा किया जो मुझे शिक्षा दी (दंड दिया), किंतु मर्यादा (जीवों का स्वभाव) भी आपकी ही बनाई हुई है। ढोल, गंवार, शूद्र, पशु और स्त्री ये सब शिक्षा के अधिकारी हैं।

कुछ लोग इस चौपाई का अपनी बुद्धि और अतिज्ञान के कारण विपरीत अर्थ निकालकर तुलसी दास जी और रामचरित मानस पर आक्षेप लगाते हुए अक्सर दिख जाते हैं। सामान्य समझ की बात है कि अगर तुलसीदास जी स्त्रियों से द्वेष या घृणा करते तो रामचरित मानस में उन्होंने स्त्री को देवी समान क्यों बताया? और तो और- तुलसीदास जी ने तो-

एक नारिब्रतरत सब झारी।
ते मन बच क्रम पतिहितकारी।

अर्थात, पुरुष के विशेषाधिकारों को न मानकर दोनों को समान रूप से एक ही व्रत पालने का आदेश दिया है। साथ ही सीता जी की परम आदर्शवादी महिला एवं उनकी नैतिकता का चित्रण, उर्मिला के विरह और त्याग का चित्रण यहां तक कि लंका से मंदोदरी और त्रिजटा का चित्रण भी सकारात्मक ही है। सिर्फ इतना ही नहीं सुरसा जैसी राक्षसी को भी हनुमान द्वारा माता कहना, कैकेई और मंथरा भी तब सहानुभूति का पात्र हो जाती हैं जब उन्हें अपनी गलती का पश्चाताप होता है ऐसे में तुलसीदासजी के शब्द का अर्थ स्त्री को पीटना अथवा प्रताड़ित करना है ऐसा तो आसानी से हजम नहीं होता। इस बात का भी ध्यान रखना आवश्यक है कि तुलसीदास जी शूद्रों के विषय में तो कदापि ऐसा लिख ही नहीं सकते क्योंकि उनके प्रिय राम द्वारा शबरी, निषाद, केवट आदि से मिलन के जो उदाहरण है वो तो और कुछ ही दर्शाते हैं।

तुलसीदास जी ने मानस की रचना अवधी में की है और प्रचलित शब्द ज्यादा आए हैं, इसलिए 'ताड़न' शब्द को संस्कृत से ही जोड़कर नहीं देखा जा सकता, राजा दशरथ ने स्त्री के वचनों के कारण ही तो अपने प्राण दे दिए थे। श्री राम ने स्त्री की रक्षा के लिए रावण से युद्ध किया, रामायण के प्रत्येक पात्र द्वारा पूरी रामायण में स्त्रियों का सम्मान किया गया और उन्हें देवी बताया गया। असल में ये चौपाइयां उस समय कही गई है जब समुद्र द्वारा श्रीराम की विनय स्वीकार न करने पर जब श्री राम क्रोधित हो गए और अपने तरकश से बाण निकाला तब समुद्र देव श्रीराम के चरणों मे आए और श्रीराम से क्षमा मांगते हुए अनुनय करते हुए कहने लगे कि- हे प्रभु आपने अच्छा किया जो मुझे शिक्षा दी और ये ये लोग विशेष ध्यान रखने यानि, शिक्षा देने के योग्य होते हैं। ताड़ना एक अवधी शब्द है जिसका अर्थ पहचानना परखना या रेकी करना होता है। तुलसीदास जी के कहने का मंतव्य यह है कि अगर हम ढोल के व्यवहार (सुर) को नहीं पहचानते तो, उसे बजाते समय उसकी आवाज कर्कश होगी अत: उससे स्वभाव को जानना आवश्यक है।

इसी तरह गंवार का अर्थ किसी का मजाक उड़ाना नहीं बल्कि उनसे है जो अज्ञानी हैं और उनकी प्रकृति या व्यवहार को जाने बिना उसके साथ जीवन सही से नहीं बिताया जा सकता। इसी तरह पशु और नारी के परिप्रेक्ष में भी वही अर्थ है कि जब तक हम नारी के स्वभाव को नहीं पहचानते उसके साथ जीवन का निर्वाह अच्छी तरह और सुखपूर्वक नहीं हो सकता। इसका सीधा सा भावार्थ यह है कि ढोल, गंवार, शूद्र, पशु और नारी के व्यवहार को ठीक से समझना चाहिए और उनके किसी भी बात का बुरा नहीं मानना चाहिए। परन्तु दुर्भाग्य तुलसीदास जी रचित इस चौपाई को लोग अपने जीवन में भी उतारते हैं और रामचरित मानस को नहीं समझ पाते हैं।

जब नवग्रहों के राजा भगवान सूर्य को भी शिवजी के कोप का शिकार बनना पड़ा

ब्रह्मवैवर्त पुराण में ऐसी है एक कथाभगवान शिव कितने भोले हैं यह तो सभी जानते हैं। कभी वह शिवलिंग के ऊपर बंधे घंटे को चोरी करने वाले को अपना भक्त मान लेते हैं। तो कभी पेड़ पर चढ़े शिकारी के यूं ही बेलपत्र तोड़कर नीचे फेंकने को उसकी भक्ति समझ लेते हैं। यही नहीं उससे प्रसन्न होकर वह उसे सर्वस्य दे भी देते हैं। इससे इतर भोले भंडारी को यदि क्रोध आ जाए तो वह कितना विकराल रूप ले लेता है। इसका उदाहरण भी धर्म शास्त्रों में देखने को मिलता है। 18 पुराणों में सबसे प्राचीनतम पुराण ब्रह्मवैवर्त पुराण में ऐसी ही एक कथा मिलती है जब नवग्रहों के राजाधिराज भगवान सूर्य को भी शिवजी के कोप का शिकार बनना पड़ा। आइए जानते हैं क्या है पूरी कहानी?

इसलिए आया था अवढरदानी को गुस्सा

मनुष्य, देवता या फिर दैत्य जो भी भगवान शिव की शरण में पहुंचता है। वह बिना किसी भेदभाव के सभी पर कृपा करते हैं। एक बार दैत्य माली और सुमाली भी उनकी शरण में अपनी पुकार लेकर पहुंचे। वह गंभीर शारीरिक पीड़ा से त्रस्त थे। सूर्य देव की अवहेलना से उन्हें इस व्याधि से भी मुक्ति नहीं मिल रही थी। अपनी करुण पुकार लेकर वह भगवान शिव की शरण में पहुंचे।

तब कश्यप नंदन सूर्य पर शिव ने किया प्रहार

ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार भगवान शिव अपनी शरण में आए दैत्य माली-सुमाली की दारुण व्यथा सुनकर अत्यंत क्रोधित हुए। उन्होंने कश्यप नंदन सूर्य पर अपने त्रिशूल से प्रहार कर दिया। उस समय संपूर्ण लोकों को प्रकाशित करने वाले सूर्य देव अपने सात घोड़ों के रथ पर विराजमान थे। वह भोलेनाथ का प्रहार सहन नहीं कर पाए और रथ से नीचे गिर कर अचेत हो गए। उनके गिरते ही संपूर्ण सृष्टि अंधकार में डूब गई।

कश्यप ऋषि ने दिया भगवान शिव को शाप

संपूर्ण जगत में अंधियारा होने पर सूर्य देव के पिता कश्यप ऋषि को अपने पुत्र की चिंता हुई। जैसे ही वह भगवान सूर्य के पास पहुंचे तो उन्हें पता चला कि उनके पुत्र पर भगवान शिव ने प्रहार किया है। वह क्रोध से आग बबूला हो गए और अपना संयम खो बैठे। आवेश में आकर उन्होंने शिवजी को शाप दे डाला। उन्होंने कहा कि जिस तरह से आज वह अपने पुत्र की हालत पर रो रहे हैं। एक दिन उन्हें भी ऐसे ही दु:खी होना पड़ेगा। वह भी पुत्र कष्ट से रोएंगे।

ऐसे दिया भोले ने सूर्य देव का जीवन दान

कुछ ही क्षणों में जब भगवान शिव का क्रोध शांत हुआ तो उन्होंने देखा कि संपूर्ण सृष्टि में अंधकार होने से हाहाकार मचा है। उन्होंने सूर्य देव को जीवन दान दिया। तभी शिवजी को ऋषि कश्यप के शाप के बारे में पता चला। उन्होंने सभी का त्याग करने का निश्चय किया। यह सुनकर ब्रह्माजी भगवान सूर्य के पास पहुंचे। उन्हें उनके कार्य का दायित्व सौंपा। इसके बाद शिवजी, ब्रह्मा और ऋषि कश्यप सभी ने सूर्य को आशीर्वाद दिया और अपने-अपने स्थान पर वापस चले गए।ये पौधे दूर कर देते हैं लाइफ की सारी टेंशन, मनचाही मुरादें भी करते हैं पूरीमाली-सुमाली की व्याधि भी हुई दूरसूर्य जैसे ही अपनी राशि पर आरूढ़ हुए माली-सुमाली पुन: शारीरिक कष्ट से जूझने लगे। तब ब्रह्मा जी ने स्वयं ही दोनों दैत्यों को सूर्य की उपासना का महत्व समझाया और कहा कि पूरी निष्ठा से उनकी उपासना करें। उनकी कृपा से ही वह पूर्ण रूप से निरोगी होंगे। तब माली-सुमाली ने ब्रह्मा जी के कहे अनुसार सूर्य देव की पूजा- आराधना की। उनकी पूजा से प्रसन्न होकर सूरज देवता ने उनकी समस्त शारीरिक व्याधियों का अंत कर दिया।

ऐसा क्या हुआ देवी लक्ष्मी ने रुला दिया भगवान विष्णु को

कहते हैं कि जिस भी घर में भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है वहां सुख-शांति का वास होता है। दांपत्य जीवन भी सुखमय होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इक बार ऐसा भी हुआ कि श्री हरि को भी माता लक्ष्मी की वजह से रोना पड़ा। आइए जानते हैं क्या है पूरी कहानीजब श्री हरि के संग होने की बात कही देवी लक्ष्मी नेपौराणिक कथाओं में जिक्र मिलता है कि एक बार श्री हरि धरती पर भ्रमण के लिए जा रहे थे। तभी देवी लक्ष्मी ने उनके साथ चलने की अनुमति मांगी। कई बार कहने पर भगवान विष्णु ने कहा कि वह साथ चल सकती हैं लेकिन उन्हें एक शर्त माननी होगी। उन्होंने कहा कि धरती पर कैसी भी स्थिति आए लेकिन उन्हें उत्तर दिशा की ओर नहीं देखना है। देवी लक्ष्मी भी भगवान की शर्त मान लेती हैं और साथ चल देती हैं। इस तरह खुद को रोक न सके भगवान और रो पड़ेकथा मिलती है कि जब श्री विष्णु और माता लक्ष्मी पर भ्रमण कर रहे थे। तभी देवी की नजर उत्तर दिशा की ओर पड़ी। उस ओर इतनी हरियाली थी कि वह खुद को रोक न सकीं और सामने दिख रहे बगीचे में चली गईं। इसके बाद उन्होंने उस बाग से एक पुष्प तोड़ लिया और भगवान विष्णु के पास वापस आईं। उन्हें देखते ही श्री हरि रो पड़े। तभी माता लक्ष्मी को उनकी शर्त याद आई। तब भगवान विष्णु ने कहा कि बिना किसी से पूछे उसकी किसी भी वस्तु को छूना अपराध है। लक्ष्मीजी को इस वजह से बनना पड़ा दासीदेवी लक्ष्मी को अपनी गलती का अहसास हुआ और उन्होंने भगवान से क्षमा मांगी। लेकिन श्रीहरि ने कहा कि इस गलती की माफी उस बगीचे का माली ही दे सकता है। उन्होंने कहा कि अब उन्हें उस माली के घर में दासी बनकर रहना होगा। देवी लक्ष्मी ने उसी क्षण गरीब औरत का रूप धारण किया और सीधे उस माली के घर पहुंच गईं। माली ने उनसे कभी खेत में काम करवाया, कभी बगीचे में तो कभी घर में। लेकिन एक दिन उसे पता चला कि वह दासी कोई और नहीं माता लक्ष्मी हैं। तो वह रो पड़ा। किस्मत चमकाने वाली 6 अंगूठी, लोग करते हैं बहुत भरोसा ऐसे दासी बनीं मां लक्ष्मी ने भर दी माली की झोलीकथा के अनुसार माली ने मां लक्ष्मी से क्षमा-याचना की और कहा कि जो कुछ उसने उनसे करवाया वह सब अज्ञानतावश था। इसके लिए वह उसे माफ कर दें। मां लक्ष्मी ने मुस्कुराते हुए कहा कि जो भी वह नियति थी। इसमें उसका कोई दोष नहीं है। लेकिन जिस तरह उसने मां को अपने परिवार का सदस्य समझा। उसके लिए वह उसे आजीवन सुख-समृद्धि का वरदान देती हैं। देवी लक्ष्मी ने कहा कि माली और उसके परिवार के सदस्यों को जीवन में किसी भी तरह का कष्ट नहीं भोगना पड़ेगा। इतना कहकर देवी अंर्तध्यान होकर विष्णु लोक वापस चली गईं।

स्वामी विवेकानंद ने समझाया पाप और पुण्य का अर्थ

यह घटना 1899 की है। उन दिनों कलकत्ता में प्लेग फैला हुआ था। कलकत्ता में शायद ही कोई ऐसा घर बचा था जिसमें इस रोग का प्रवेश न हुआ हो। प्लेग ने असमय ही अनेक लोगों को मौत की नींद सुला दिया। यह देखकर हर ओर त्राहि-त्राहि मच गई। जिस भी घर का प्राणी मरता, वहां रोने की चीत्कारें गूंजने लगती थीं। सभी परेशान थे।ऐसे में स्वामी विवेकानंद, उनके कई शिष्य स्वयं रोगियों की सेवा करते रहे। वे नगर की गलियां और बाजार साफ करते और जिस घर के मरीज इस बीमारी की चपेट में आ गए थे, उन्हें दवा आदि देकर उनका उपचार करते। तभी कुछ पंडितों की मंडली स्वामी जी के पास आई और बोली, 'स्वामीजी, आप यह ठीक नहीं कर रहे हैं। इस धरती पर पाप बहुत बढ़ गया है इसलिए इस महामारी के रूप में भगवान लोगों को दंड दे रहे हैं। आप लोगों को बचाने का यत्न कर रहे हैं। ऐसा करके जाने अनजाने आप भगवान के कार्यों में बाधा डाल रहे हैं जो अच्छी बात नहीं है।'यह सुनकर स्वामीजी गंभीरता से बोले, 'आप सब यह तो जानते ही होंगे कि मनुष्य इस जीवन में अपने कर्मों के कारण कष्ट और सुख पाता है। ऐसे में जो व्यक्ति कष्ट से पीड़ित है और तड़प रहा है, यदि दूसरा व्यक्ति उसके घावों पर मरहम लगा देता है और उसके कष्ट को दूर करने में मदद करता है तो वह स्वयं ही पुण्य का अधिकारी बन जाता है। अब यदि आपके अनुसार प्लेग से पीड़ित लोग पाप के भागी हैं तो भी हमारे जो सेवक इनकी मदद कर रहे हैं, वे तो पुण्य के भागी बन ही रहे हैं न! बोलिए इस संदर्भ में आपका क्या कहना है?' स्वामीजी की बात सुनकर सभी पंडित भौंचक्के रह गए और चुपचाप सिर झुकाकर वहां से चले गए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

सीओपी15 ने सम्मेलन से पहले समाचार वेबसाइट की लॉन्च

बीजिंग। जैव विविधता पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (सीओपी15) के दलों ने अक्टूबर में आगामी सम्मेलन से पहले आधिकारिक तौर पर चीनी और अंग्रेजी दोनों में कंटेंट के साथ अपनी समाचार वेबसाइट लॉन्च की है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, वेबसाइट (डब्लूडब्लूडब्लू डॉट सीओपी 15न्यूज डॉट कॉम) चीनी और विदेशी पत्रकारों और नेटिजन्स के लिए सूचना सेवाएं प्रदान की है, जिसमें सम्मेलन के रुझान और वैश्विक विविधता जैसे विषयों पर 10 से अधिक कॉलम शामिल हैं। यह वैश्विक मीडिया रिपोटरें पर ध्यान देने के साथ सम्मेलन से संबंधित गतिशील और समय पर जानकारी जारी करेगा। भाग लेने वाले मीडिया आउटलेट साक्षात्कार, स्थल किराए, उपकरण किराए पर लेने और रेडियो और टेलीविजन सेवाओं के लिए ऑनलाइन आरक्षण करने के लिए वेबसाइट का उपयोग कर सकते हैं। सीओपी 15 की बैठक 11 अक्टूबर को कुनमिंग में शुरू होने वाली है। यह भविष्य में जैव विविधता संरक्षण के लिए एक विजन तैयार करने के लिए 2020 के बाद के वैश्विक जैव विविधता ढांचे की समीक्षा करेगा। सीओपी 15 बैठक पारिस्थितिक सभ्यता के विषय पर संयुक्त राष्ट्र द्वारा बुलाई गई पहली वैश्विक सम्मेलन है।

इजरायली लड़ाकू विमानों ने हमास के ठिकानों पर किया हमला

तेल अवीव। इजरायली लड़ाकू विमानों ने रॉकेट हमलों के जवाब में रविवार को गाजा पट्टी में इस्लामिक हमास आंदोलन की सशस्त्र शाखा की सैन्य चौकियों और सुविधाओं पर हमला किया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों ने कहा कि इजरायली लड़ाकू विमानों ने लगातार दूसरे दिन मध्य और दक्षिणी गाजा पट्टी में हवा से जमीन पर मार करने वाली मिसाइल सैन्य चौकियों और सुविधाओं को निशाना बनाया। इजरायली मीडिया के मुताबिक, शुक्रवार और शनिवार को अज्ञात आतंकवादियों ने गाजा पट्टी से इजरायल की ओर दो रॉकेट दागे। रॉकेट के खाली इलाकों में उतरने के बाद किसी के हताहत होने या नुकसान की सूचना नहीं है। हमास द्वारा संचालित अल-अक्सा टेलीविजन ने कहा कि गवाहों ने इजरायली सेना के ड्रोन और लड़ाकू जेट विमानों की आवाज सुनी, और फिर दक्षिणी और मध्य गाजा पट्टी में कई विस्फोटों की आवाज सुनी गई, जो आंदोलन से संबंधित सैन्य चौकियों पर हमला करने के बाद हुए। सूत्रों के अनुसार, शनिवार की सुबह, इजरायली लड़ाकू विमानों ने उत्तरी और मध्य गाजा पट्टी में हमास से संबंधित सैन्य चौकियों और सुविधाओं पर हमला किया, जिसमें कहा गया कि किसी के घायल होने या नुकसान की सूचना नहीं है। शनिवार और रविवार को दो अलग-अलग बयानों में, एक इजरायली सेना के प्रवक्ता ने कहा कि लड़ाकू विमानों ने गाजा पट्टी में हथियारों के कैश पर हमला करने के अलावा उन चौकियों पर हमला किया, जिनका इस्तेमाल घर के रॉकेट बनाने के लिए किया जाता था।

अमेरिकी सैनिकों की तैनाती वाले इराकी हवाईअड्डे पर हुआ ड्रोन हमला, कोई हताहत नहीं

बगदाद। उत्तरी इराक में विस्फोटकों से लदे ड्रोनों ने शनिवार देर रात इरबिल अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे को निशाना बनाया जहां अमेरिका नीत गठबंधन सैनिक तैनात हैं। अभी किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। कुर्द शासित क्षेत्र में सुरक्षाबलों और अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कुर्दिस्तान की आतंकवाद रोधी सेवा ने बताया कि विस्फोटकों से लदे कम से कम दो ड्रोनों ने हवाईअड्डे को निशाना बनाया। हमले में कोई हताहत नहीं हुआ। अर्द्ध स्वायत्त उत्तरी क्षेत्र के प्रवक्ता लॉक गफूरी ने बताया कि विस्फोटक हवाईअड्डे के बाहरी क्षेत्र में गिरे और उन्होंने हमले से उड़ानों पर असर पड़ने की खबरों को खारिज किया। उन्होंने बताया कि हवाईअड्डा अब भी खुला हुआ है और कुर्द प्राधिकारी जांच कर रहे हैं। करीब दो महीने से बगदाद में अमेरिका की मौजूदगी और इराक में सैन्य अड्डों को ड्रोन तथा रॉकेट हमलों से निशाना न बनाए जाने के बाद यह पहला हमला हुआ है। इससे पहले आठ जुलाई को इराक की राजधानी बगदाद के ग्रीन जोन में रॉकेट हमले हुए थे जहां अमेरिकी दूतावास स्थित है। हालांकि इसमें कोई हताहत नहीं हुआ था।

9/11 की घटना आतंकवाद के रूप में दुनिया के सामने आने वाले खतरों की याद दिलाती है: पाकिस्तान

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने 9/11 के आतंकी हमलों की 20वीं बरसी के मौके पर शनिवार को उन भयावह घटनाओं की निंदा करते हुए कहा कि वे आतंकवाद के रूप में दुनिया के सामने आने वाले खतरों और इसके विनाशकारी प्रभावों की याद दिलाती हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा, हम उन भयावह घटनाओं की एक बार फिर कड़ी निंदा करते हुए निर्दोष पीड़ितों के परिवारों और प्रियजनों के प्रति सहानुभूति और एकजुटता प्रकट करते हैं। मंत्रालय ने कहा, 11 सितंबर 2001 के पीड़ितों की यादों का विशेष रूप से सम्मान करते हुए, हम पुरुषों, महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों सहित दुनिया भर में आतंकवाद के सभी पीड़ितों को श्रद्धांजलि देते हैं। मंत्रालय ने कहा कि 9/11 की घटनाएं आतंकवाद और उसके विनाशकारी प्रभावों के रूप में दुनिया के सामने मौजूद खतरों की याद दिलाती हैं।

जाम्बिया के राष्ट्रपति यूएनजीए में लेंगे भाग

लुसीका। जाम्बिया के राष्ट्रपति हाकेंडे हिचिलेमा न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 76वें सत्र में भाग लेने के लिए पिछले महीने चुनाव जीतने के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा पर निकलेंगे। समाचार एजेंसी ने शनिवार को एक बयान में कार्यालय के हवाले से बताया कि जाम्बिया के नेता 20 से 25 सितंबर तक सत्र में भाग लेंगे। बयान में कहा गया है कि हिचिलेमा देश के लाभकारी विकास हित के मामलों पर चर्चा करने के लिए अन्य विश्व नेताओं के साथ सत्र के दौरान उच्च स्तरीय द्विपक्षीय और बहुपक्षीय बैठकें करेगा।

कोरोना के बाद अब चीन इस खास मिशन को अंजाम देने के लिए हर हफ्ते पैदा कर रहा है 2 करोड़ मच्छर

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

मच्छरों के काटने से ना जाने कितनी बीमारियां फैलती हैं, जिस वजह से करोड़ों लोगों की मौत हो जाती है. मानसून के मौसम में मच्छरों से सबसे ज्यादा डेंगू की बीमारी फैलती फैलती है, जिस वजह से लोग मर रहे हैं. लेकिन चीन में एक ऐसी फैक्ट्री है जहां हर हफ्ते 2 करोड़ अच्छे मच?छरों का निर्माण होता है. इन मच्छरों को जंगलों और दूसरी जगह पर छोड़ दिया जाता है. लेकिन अब आप सोच रहे होंगे कि आखिर मच्छर अच्छे कैसे हो सकते हैं.

दरअसल, यह मच्छर बीमारी फैलाने वाले मच्छरों की ग्रोथ को रोक देते हैं. इन मच्छरों को चीन के दक्षिणी इलाके गुआंगझोऊ में एक फैक्ट्री में तैयार किया जाता है. हर हफ्ते फैक्ट्री में लगभग दो करोड़ मच्छरों का उत्पादन होता है. ये

मच्छर वोल्बाचिया बैक्टीरिया से संक्रमित होते हैं.

एक रिसर्च में यह पता चला कि अगर वोल्बाचिया बैक्टीरिया से संक्रमित मच्छर तैयार किए जाएं तो वह बीमारी फैलाने वाले मच्छरों को पैदा करने वाले मादा मच्छरों को बांझ बना सकते हैं. इस रिसर्च के बाद चीन में अच्छे मच्छरों का उत्पादन शुरू हो गया, जिन्हें वोलबेचिया मास्किटो भी कहा जाने लगा है. पहले इन मच्छरों को गुआंगझोऊ की फैक्ट्री में ब्रीड किया जाता है जिसके बाद ऐसी जगहों पर छोड़ दिया जाता है, जहां मच्छरों की संख्या बहुत ज्यादा होती है. ये मच्छर मादा मच्छरों से मिलकर उनकी प्रजनन क्षमता नष्ट कर देते हैं. इस तरह से उस एरिया में मच्छरों की संख्या कम होने लगती है और बीमारियों पर धीरे-धीरे लगाम लगने लगती है. गुआंगझोऊ में जो फैक्ट्री है, वह 3500 वर्ग मीटर में फैली हुई है, जिसमें चार बड़ी वर्कशॉप हैं. हर हफ्ते हर वर्कशॉप से लगभग 50 लाख मच्छरों का उत्पादन होता है. चीन 2015 से ही यह काम कर रहा है.

वार्ता के लिए ईरान पहुंचे आईएईए प्रमुख

तेहरान। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी द्विपक्षीय सहयोग पर ईरानी अधिकारियों के साथ बातचीत के लिए रविवार को तेहरान पहुंचे। समाचार एजेंसी ने बताया, यात्रा के दौरान, ग्रॉसी ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन (एईओआई) के नए प्रमुख मोहम्मद एस्लामी के साथ बातचीत करेंगे। पश्चिमी मीडिया ने शनिवार को बताया कि ईरान और आईएईए ने ईरान की परमाणु सुविधाओं में एजेंसी द्वारा स्थापित निगरानी उपकरणों के लिए आईएईए तक पहुंच की अनुमति देने के लिए तेहरान के लिए एक समझौता किया है। इस बीच, एक जानकार सूत्र ने सरकारी प्रेस टीवी को बताया कि ग्रॉसी की तेहरान यात्रा के दौरान, एजेंसी के पास अभी भी निगरानी कैमरों के फुटेज तक पहुंच नहीं होगी। सूत्र के हवाले से कहा गया, आईएईए के महानिदेशक के तेहरान दौरे के दौरान बातचीत केवल एजेंसी के कुछ निगरानी उपकरणों की सर्विसिंग के बारे में होगी और एजेंडे में कोई अन्य मुद्दा नहीं है। दिसंबर 2020 में ईरान की संसद द्वारा पारित एक कानून ने सरकार को कअएअ के अतिरिक्त प्रोटोकॉल को लागू करने से रोकने के लिए अनिवार्य कर दिया, यदि अमेरिकी प्रतिबंध 23 फरवरी, 2021 तक नहीं हटाया। ईरान और आईएईए 23 फरवरी को तीन महीने के अस्थायी समझौते पर पहुंचे, जिसमें पूर्व में अपने परमाणु स्थलों की निगरानी करने वाले कैमरों के वीडियो रिकॉर्ड संग्रहित करने के लिए, और आईएईए को उन रिकॉडरें को वितरित करने के लिए ही ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंधों को हटा दिया जाएगा।

मौत की अफवाहों के बीच 9/11 की बरसी पर जारी हुए वीडियो में दिखाई दिया अलकायदा सरगना

बेरूत। (एजेंसी)।

अमेरिका पर हुए 9/11 हमले की 20वीं बरसी पर अलकायदा द्वारा जारी वीडियो में आतंकवादी संगठन का सरगना अयमन अल जवाहिरी एक बार फिर सामने आया है। कुछ महीने पहले उसके मारे जाने की अफवाह फैली थी। जेहादी वेबसाइटों पर नजर रखने वाले एसआईटीई खुफिया समूह ने कहा कि ताजा वीडियो शनिवार को जारी किया गया है। इस वीडियो में जवाहिरी कहता हुआ सुनाई दे रहा है कि '' यरुशलम का कभी यहूदीकरण नहीं होगा।'' वीडियो में उसने जनवरी में रूसी सैनिकों को निशाना बनाकर किए हमले सहित अलकायदा द्वारा किए जा रहे अन्य हमलों की प्रशंसा की है।

एसआईटीई ने कहा कि जवाहिरी ने 20 साल की लड़ाई के बाद अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी को भी रेखांकित किया है। समूह ने कहा कि जरूरी नहीं है कि जवाहिरी की टिप्पणी संकेत दे कि वीडियो को हाल में रिकॉर्ड किया गया है क्योंकि अमेरिकी सैनिकों की वापसी का समझौता तालिबान से फरवरी 2020 में हुआ था। एसआईटीई ने कहा कि अल जवाहिरी ने अफगानिस्तान और राजधानी काबुल पर पिछले महीने तालिबान के कब्जे का उल्लेख नहीं किया है लेकिन उसने एक जनवरी को रूसी सैनिकों को निशाना बनाकर सीरियाई शहर रक्का में किए गए हमले का उल्लेख किया है। उल्लेखनीय है कि पिछले साल के अंत में अफवाह उड़ी थी कि अल जवाहिरी की बीमारी की वजह से मौत हो गई है और उसके बाद कोई

वीडियो सामने नहीं आया था।

एसआईटीई की निदेशक रिटा काट्ज ने कहा कि संभव है कि उसकी मौत हो गयी हो, अगर ऐसा है तो उसकी मौत जनवरी 2021 में या उसके कुछ समय बाद हुई होगी। अल जवाहिरी का भाषण 61 मिनट 37 सेकेंड के वीडियो में रिकार्ड किया गया है और इसका निर्माण आतंकवादी संगठन के सहाब मीडिया फाउंडेशन ने किया है। अल जवाहिरी मूल रूप से मिस्र का रहने वाला है और वर्ष 2011 में पाकिस्तान के एबटाबाद में अमेरिकी कार्रवाई में ओसामा बिन लादेन के मारे जाने के बाद अलकायदा का सरगना बना।

कोरोना टीकाकरण में सहायता मुहैया कराने के लिए बाइडेन प्रशासन ने की सेवा इंटरनेशनल की सराहना

न्यूयॉर्क। (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति ने कोरोना महामारी के बीच में सहायता के लिए सेवा इंटरनेशनल ह्यूस्टन की पत्र लिखकर प्रशंसा की है। आपको बता दें कि सेवा इंटरनेशनल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का अंतरराष्ट्रीय मंच है। जिसकी व्हाइट हाउस ने सराहना की है। व्हाइट हाउस की तरफ से जारी किए गए पत्र के मुताबिक, अमेरिकी प्रशासन ने सेवा इंटरनेशनल को घातक कोरोनावायरस के खिलाफ टीकाकरण में योगदान के लिए धन्यवाद कहा।

पत्र में कहा गया कि हम साथ में कोरोना के खिलाफ अपनी सामूहिक लड़ाई में प्रगति कर रहे हैं और अपने राष्ट्र को वापस पटरी पर ला रहे हैं, लेकिन अभी भी हमारे सामने बहुत काम है।

पत्र में कहा गया कि पिछला साल अमेरिकी इतिहास के सबसे दर्दनाक वर्षों में से एक रहा है। कोरोना के कारण 6,28,000 से अधिक अमेरिकी लोगों की जान चली गई। वहीं टीकाकरण कराने में मदद करना सबसे महत्वपूर्ण काम है। जो हम में से कोई भी कर सकता है। इसी बीच बाइडेन प्रशासन ने सेवा इंटरनेशनल के निरंतर समर्थन की आवश्यकता बताई। सेवा इंटरनेशनल के प्रयास ने न सिर्फ लोगों की जान बचाई है बल्कि सामान्य जीवन की तरफ वापस लौटने में भी सहायता की है। एक राष्ट्र के रूप में संयुक्त होकर हम इस महामारी से उबर सकते हैं और एक स्वस्थ और अधिक आशावादी भविष्य की शुरूआत कर सकते हैं।

आतंकी हमले में इराकी पुलिस अधिकारी की मौत, आईएस के 2 आतंकी गिरफ्तार

बगदाद (एजेंसी)।

इस्लामिक स्टेट (आईएस) द्वारा सड़क किनारे किए गए बम विस्फोट में एक इराकी पुलिस अधिकारी की मौत हो गई, जबकि सुरक्षा बलों ने आतंकवादी समूह के दो वरिष्ठ सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया।

समाचार एजेंसी ने सेना के हवाले से कहा, नीनवे प्रांत के एक पुलिस अधिकारी खालिद अल-सरहीद शनिवार को विस्फोट में मारे गए, जबकि इराकी बलों का समर्थन करने के लिए भेजे गए एक बल पर आईएस के आतंकवादियों ने नीनवे प्रांत से लगभग 60 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में मखमौर शहर के पास एक गांव में हमला किया। इस बीच, इराकी खुफिया सेवा से जुड़े एक बल ने आईएस के एक वरिष्ठ आतंकवादी को गिरफ्तार किया, जिसका नाम अबू इब्राहिम दाबिक है, जिसे

किरकुक, नीनवे, बगदाद और अनबर प्रांतों में डेढ़ महीने तक ट्रैक करने के बाद गिरफ्तार किया गया। खुफिया बल ने एक अन्य वरिष्ठ आईएस आतंकवादी को गिरफ्तार किया, जो नेताओं के बीच गतिविधियों के समन्वय के लिए जिम्मेदार था। बयान में इस बारे में अधिक जानकारी नहीं दी गई है। पिछले कुछ महीनों में, आईएस के आतंकवादियों ने उन प्रांतों में इराकी सुरक्षा बलों पर हमले तेज कर दिए हैं, जहां पहले आतंकवादियों का नियंत्रण था, जिसमें दर्जनों लोग मारे गए और घायल हो गए। 2017 में सुरक्षा बलों द्वारा आईएस आतंकवादियों को हराने के बाद से इराक में सुरक्षा स्थिति में सुधार हो रहा है।

जॉर्ज बुश ने घरेलू चरमपंथ के प्रति लोगों को किया आगाह, कही यह अहम बात

शैं सविले। (एजेंसी)।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने राष्ट्र के विभाजन और चरमपंथ के चंगुल में फंसते जाने की आशंका जाहिर करते हुए 20 साल पहले हुए 9/11 के हमलों के तुरंत बाद दिखाई गई सहयोग की भावना की वापसी के लिए अपील की। 'फ्लाइट 93' की घटना में मारे गए लोगों की स्मृति में यहां स्थित राष्ट्रीय स्मारक में मुख्य भाषण देते हुए बुश ने देश के भीतर पनप रही हिंसा की चेतावनी दी। इस घटना में लोगों ने देश की राजधानी के खिलाफ हथियार के रूप में इस्तेमाल किए जाने से पहले अल-कायदा के आतंकवादियों द्वारा अपहृत अपने हवाई जहाज को नीचे गिरा दिया था। उन्होंने कहा, 'विदेशों में हिंसक चरमपंथियों और घर में

हिंसक चरमपंथियों के बीच बहुत कम सांस्कृतिक समानता है। लेकिन बहुलवाद के प्रति उनकी घृणा में, मानव जीवन की अवहेलना में, राष्ट्रीय प्रतीकों को अपवित्र करने की उनकी कट्टर सोच में, वे सब एक ही जैसी कलुषित भावना वाले इंसानों की संतान हैं। और उनका सामना करना हमारा निरंतर कर्तव्य है।÷ बुश की चेतावनी तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के समर्थकों द्वारा 2020 के चुनाव के परिणामों को उलटने का प्रयास करने के लिए यूएस कैपिटल में किए गए हिंसक विद्रोह के बमुश्किल आठ महीने बाद आई है। यह उस हमले की बुश की ओर से की गई तीखी आलोचना को दिखाता है जो राजनीति के 'ट्रंप ब्रांड' की आलोचना के रूप में नजर आती है।

कट्टरवादी विचारों से समझौता नहीं करता है अखुंद, बामियान को कर चुका है बर्बाद, मिली अफगानिस्तान की बागडोर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जे के लगभग तीन हफ्ते बाद सात सितंबर को सरकार का ऐलान करते हुए अंतरिम प्रधानमंत्री के तौर पर मुल्ला मोहम्मद हसन अखुंद को देश की बागडोर सौंप दी। तालिबान की पिछली सरकार में विदेश मंत्री समेत कई अहम पद संभाल चुके अखुंद को संगठन की शक्तिशाली सूरा परिषद के सदस्य के तौर पर 'बामियान में बुद्ध प्रतिमाओं को बर्बाद' करने वाले फैसले समेत फतवों की फेहरिस्त के लिए भी जाना जाता है। तालिबान ने वर्ष 2001 में बामियान घाटी में चट्टानों और चूना पत्थरों से बनी बुद्ध की दो विशाल खड़ी मूर्तियों को नष्ट कर दिया था। लगभग 71 वर्ष के अखुंद तालिबान के सबसे पुराने नेताओं में से एक हैं और उन्हें संगठन के संस्थापक मुल्ला मोहम्मद उमर समेत उन तीन लोगों में शुमार किया जाता है जिन्होंने तालिबान आंदोलन के विचार की कल्पना की। इंटरनेट पर प्रसारित तस्वीरों में अखुंद परंपरागत अफगान परिधान में आम अफगान की तरह ही नजर आते हैं, लेकिन रुतबे और रुआब में वह तालिबान के तमाम दूसरे ओहदेदारों पर 'बीस' साबित हुए हैं।

तालिबान के शुरुआती वर्षों में अखुंद ने आंदोलन और शूरा बैठकों की व्यवस्था करने के लिए वित्तीय और रसद सहायता प्रदान की। पाकिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब के साथ तालिबान के राजनयिक संपर्क स्थापित करने का श्रेय भी अखुंद को दिया जाता है। मुल्ला मोहम्मद उमर और अन्य तालिबान नेताओं के उलट अखुंद 1980 के दशक के सोवियत-अफगान युद्ध शामिल नहीं रहे। तालिबान ने 90 के दशक में जब काबुल पर कब्जा किया तो संगठन ने मुल्ला रब्बानी के नेतृत्व में अपनी पहली सरकार गठित की, जिसमें अखुंद को विदेश मंत्री बनाया गया। कैंसर से रब्बानी की मृत्यु के बाद अखुंद कार्यवाहक प्रधानमंत्री रहे। पूरे देश पर काबिज नहीं हो पाने के कारण तालिबान ने 1996 से 2001 तक रही अपनी इस सरकार को कार्यवाहक सरकार कहा। तालिबान की सरकार को अमेरिका नीत बलों द्वारा 2001 में सत्ता से बेदखल किए जाने के बाद भी अखुंद ने संगठन और इसकी सर्वोच्च निर्णयकारी संस्था रहबरी शूरा में अपनी प्रभावशाली उपस्थिति बनाए रखी।

मुल्ला उमर के निधन के बाद, उन्होंने संगठन के अगले प्रमुख मुल्ला मंसूर के करीबी सहयोगी के रूप में भी काम किया। एक ड्रोन हमले में मंसूर की मौत के बाद, मुल्ला हेबतुल्लाह अखुंदजादा तालिबान प्रमुख बने। अखुंद को वर्तमान में तालिबान के शीर्ष नेता मुल्ला हेबतुल्लाह अखुंदजादा का करीबी माना जाता है। अखुंद संगठन में कितने प्रभावशाली है इसका अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि अंतरिम प्रधानमंत्री के तौर पर उनके नाम का प्रस्ताव अखुंदजादा ने रखा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के आंकड़ों व विवरण के अनुसार मुल्ला मोहम्मद हसन अखुंद का जन्म दक्षिणी अफगानिस्तान के पशमुल में हुआ। तब यह इलाका पंजवेई जिले में था और अब कंधार प्रांत के झारी जिले के तहत आता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

मोदी सरकार पर बरसे राहुल गांधी, बोले-नौकरी ही नहीं है तो क्या Sunday,क्या Monday!

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रोजगार के मुद्दे पर सरकार पर हमला बोलते हुए रविवार को कहा कि केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शासन तले सप्ताहिक छुट्टी और कार्य दिवस के बीच का अंतर समाप्त हो गया है क्योंकि 'नौकरियां ही नहीं हैं'। गांधी ने ट्विटर पर अमेरिका की प्रमुख वाहन विनिर्माता कंपनी फोर्ड द्वारा भारत में कारों का उत्पादन बंद करने की घोषणा संबंधी एक मीडिया रिपोर्ट को टैग किया, जिसमें उद्योग के अंदरूनी सूत्र के हवाले से कहा गया है कि 4,000 से अधिक छोटी फर्में बंद हो सकती हैं। गांधी ने हिंदी में किए एक ट्वीट में कहा, ''भाजपा सरकार का 'विकास' ऐसा कि रविवार-सोमवार का फर्क ही खत्म कर दिया।'' कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ''जब नौकरियां ही नहीं हैं तो क्या रविवार, क्या सोमवार।

महाराष्ट्र: गडकरी ने नागपुर में सड़क सुरक्षा पहल की शुरुआत की

मुंबई। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को महाराष्ट्र के नागपुर में सड़क दुर्घटनाओं को 50 प्रतिशत तक कम करने के उद्देश्य से प्रायोगिक आधार पर एक कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस)से संचालित परियोजना आईआरएएसटीई का शुरुआत की। एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि सरकार, इंटेल, आईएनएआई, आईआईआईटी-हैदराबाद, सीएसआईआर-सीआरआरआई (केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान),महिंद्रा एंड महिंद्रा और नागपुर नगर निगम (एनएमसी) के बीच सहयोग पर आधारित इस परियोजना में विजन जीरो दुर्घटना परिदृश्य की ओर बढ़ने के लिए सुरक्षा, गतिशीलता विश्लेषण और सड़क बुनियादी ढांचे की सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। विज्ञप्ति के अनुसार एनएमसी से संबंधित वाहन को भिड़ंत से बचाव तकनीक से लैस किया जाएगा, जिससे दुर्घटना का खतरा 60 प्रतिशत तक कम हो जाएगा। वहीं, सेंसर के जरिये पूरे सड़क नेटवर्क पर संभावित खतरे वाले हिस्सों का मानचित्रिकरण किया जाएगा। गडकरी ने कहा कि नागपुर में हर साल 1,500 दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें 250 मौतें हो जाती है। दुर्घटना स्थलों का मानचित्रिकरण करने के लिए एआई का उपयोग, सड़क की सतह की स्थिति, साइन बोर्ड, मार्किंग, सिग्नल विवरण पर डेटा एकत्र करने में भी मदद करेगा।

यूपी चुनाव में ममता की नजर समाजवादी पार्टी से गठबंधन पर

लखनऊ। तृणमूल कांग्रेस अगले साल की शुरूआत में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन करने पर विचार कर रही है। इस पर आने वाले हफ्तों में दोनों पार्टियों के नेताओं द्वारा फैसला लिए जाने की उम्मीद है। तृणमूल ने उत्तर प्रदेश में पीलीभीत से अपना जन संपर्क कार्यक्रम पहले ही शुरू कर दिया है, जहां किसानों ने गन्ना बकाया के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन किया था। लोगों के मिजाज और उनकी उम्मीदों का पता लगाने के लिए 18 मंडलों में से प्रत्येक में कम से कम दो जिलों को कवर किया जाएगा। तृणमूल के प्रदेश अध्यक्ष नीरज राय ने कहा, हम लोगों को पश्चिम बंगाल में हमारे द्वारा लागू की गई नीतियों के बारे में बताएंगे और राज्य सरकार की कल्याणकारी नीतियों पर जनता की प्रतिक्रिया लेंगे हम लोगों की उम्मीदों के आधार पर तृणमूल कांग्रेस का घोषणापत्र तैयार करेंगे। उन्होंने कहा कि तृणमूल उत्तर प्रदेश में एक मजबूत संगठनात्मक संरचना और कैडर आधार बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। उन्होंने कहा, पार्टी ने मई में शुरू किए गए सदस्यता अभियान के माध्यम से 30 से अधिक जिलों में 100 प्रतिबद्ध सदस्यों को जोड़ा है। पार्टी नेतृत्व 2024 के आम चुनावों से पहले एक प्रतिबद्ध कार्यबल के साथ यूपी में एक मजबूत इकाई चाहता है। हम जहां भी जाते हैं, लोग जानना चाहते हैं कि कैसे हमने पश्चिम बंगाल में बीजेपी को हराया है।

तालिबान के समर्थन में छात्राओं ने निकाली रैली

नई दिल्ली। जहां अफगान महिलाओं ने तालिबान के खिलाफ अपने अधिकारों और देश भर में सरकार में भागीदारी के लिए कई विरोध प्रदर्शन किए हैं, वहीं इसके विपरीत कुछ महिलाओं ने काबुल में इस्लामिक अमीरात ऑफ अफगानिस्तान (आईईए) के समर्थन में एक प्रदर्शन का आयोजन किया। खामा न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, काबुल में सड़कों पर उतरने से पहले विश्वविद्यालय के व्याख्याताओं और छात्राओं ने शिक्षा विश्वविद्यालय में एक सभा की थी। काबुल में अन्य प्रदर्शनों के विपरीत, यह दूसरा सर्व-महिला विरोध है जो अहिंसक था और पत्रकारों को स्वतंत्र रूप से कवर करने की अनुमति थी। प्रदर्शनकारियों ने हाल ही में महिला प्रदर्शनकारियों द्वारा की गई तथाकथित हिंसा की निंदा की और आईईए को अपना पूर्ण समर्थन व्यक्त किया। महिलाओं ने सभी विश्वविद्यालयों और संस्थानों में लड़कों और लड़कियों के लिए अलग-अलग कक्षाओं की योजना का भी स्वागत किया और प्रतिज्ञा की कि वे आईईए को मजबूत करने के लिए काम करेंगी। इससे पहले सैकड़ों महिलाएं कुंदुज प्रांत में जमा हुई थीं और तालिबान नेतृत्व के समर्थन के लिए विरोध प्रदर्शन किया था।

सोमवार से शुरू होगा कर्नाटक विधानसभा का सत्र

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के नेतृत्व में सत्तारूढ़ भाजपा के साथ-साथ विपक्षी दल कांग्रेस और जेडी(एस) सोमवार से शुरू हो रहे विधानसभा सत्र के लिए तैयार हो रहे हैं। सत्र को दोनों पक्षों में प्रतिष्ठित माना जाता है क्योंकि नई सीएम के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यभार संभालने के बाद यह पहला विधायी सत्र है। यह कांग्रेस के लिए भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि विपक्षी नेता सिद्धारमैया और कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने विभिन्न मुद्दों पर सत्ताधारी दल पर हमला कर अपना प्रभाव दिखाने के लिए कहा है। इस बीच, एक अन्य मुख्य विपक्षी दल जद (एस) के नेता, पूर्व मुख्यमंत्री एच.डी. कुमारस्वामी इस तथ्य के साथ तैयार हैं कि वह हाल के दिनों में अपने राज्यव्यापी दौरों के दौरान सत्ताधारी दल पर सवाल उठाने के लिए इक्ट्ठे हुए हैं।

भारी बारिश और जलभराव के बीच राकेश टिकैत ने दिया धरना, बोले- खेतों के लिए बरस रहा सोना

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों का विरोध प्रदर्शन पिछले 9 महीने से भी ज्यादा समय से जारी है। इसी बीच भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत की एक तस्वीर सामने आई, जो काफी चर्चा में है। दरअसल, किसान नेता राकेश टिकैत दिल्ली में हुई भारी बारिश के बीच में भी धरनास्थल से हिले नहीं और वहीं पर डटे रहे।

इस तस्वीर में राकेश टिकैत के साथ कुछ और लोग भी दिखाई दे रहे हैं। यूपी गेट बॉर्डर पर जारी विरोध प्रदर्शन भारी बारिश और जलभराव के बावजूद चलता रहा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बारिश के चलते मंच का संचालन नहीं हो सका। ऐसे में किसान अस्थाई टेंट में बैठे रहे। हालांकि

कुछ टेंट को क्षति पहुंची है।

भाकयू के मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र मलिक ने कहा कि भाकयू नेता राकेश टिकैत ने जलजमाव वाली सड़क पर बैठकर धरना जारी रखा। हम मांग करते रहे हैं कि यहां से दिल्ली की ओर जाने वाले नालों की सफाई कराई जाए लेकिन संबंधित अधिकारियों ने इस पर कभी ध्यान नहीं दिया।

इसी बीच उन्होंने कहा कि अब विरोधस्थल पर डटे किसानों ने तीनों मौसम (सर्दी, गर्मी और बरसात) देख लिए हैं। ऐसे में किसान अब किसी से डरने वाले नहीं हैं।

राकेश टिकैत ने क्या कहा ?

प्राप्त जानकारी के मुताबिक जलभराव के बीच में बैरकेटिंग के पास राकेश टिकैत बैठ गए। इस दौरान उन्होंने कहा कि किसान सर्दी, गर्मी और बरसात से परेशान होने वाला नहीं है। किसान तो हर मौसम में रहने का आदी होता है। यह बरसात नहीं है बल्कि हमारे खेतों में सोना बरस रहा है। दिल्ली में हो रही बारिश को किसान नेता ने भगवान शिव की कृपा बताया और हर हर महादेव का उद्घोष किया।

मुख्य न्यायाधीश ने युवाओं से स्वामी विवेकानंद के आदशरें पर चलने का किया आह्वान

हैदराबाद। भारत के मुख्य न्यायाधीश एन.वी. रमना ने देश के युवाओं में स्वामी विवेकानंद के आदशरें को स्थापित करने का आह्वान किया। रविवार को विवेकानंद मानव उत्कृष्टता संस्थान के 22वें स्थापना दिवस समारोह में भाग लेते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि स्वामी विवेकानंद भारत में धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा की वकालत करते थे। मुख्य न्यायाधीश ने दिल्ली से अपने वर्चुअल संबोधन में कहा, उनका दृढ़ विश्वास था कि धर्म का वास्तविक सार सामान्य भलाई और सहिष्णुता है। धर्म अंधविश्वास और कठोरता से ऊपर होना चाहिए। सामान्य अच्छे और सहिष्णुता के सिद्धांतों के माध्यम से भारत को पुनरुत्थान करने के सपने को पूरा करने के लिए, हमें आज की युवावस्था में स्वामी जी के आदशरें को स्थापित करना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान युवाओं के बलिदान को याद किया। उन्होंने कहा कि युवाओं में अन्याय का विरोध करने की क्षमता है। आज हम जिन लोकतांत्रिक अधिकारों को हल्के में लेते हैं, वे उन हजारों युवाओं के संघर्ष का परिणाम हैं, जो स्वतंत्रता संग्राम या आपातकाल के काले दिनों के दौरान सत्तावादी शख्सियतों से लड़ते हुए सड़कों पर उतरे थे। सभी राष्ट्र और समाज की भलाई के लिए कई लोगों ने अपनी जान गंवाई, आकर्षक करियर का त्याग किया।

क्या यूपी और गोवा का विधानसभा चुनाव लड़ेगी शिवसेना ? संजय राउत ने दिया यह जवाब

मुंबई। (एजेंसी)।

शिवसेना सांसद संजय राउत ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश और गोवा में अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभाचुनाव लड़ेगी। उन्होंने दावा किया कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में किसान संगठनों ने उनकी पार्टी को समर्थन देने की इच्छा जताई है। यहां संवाददाताओं से बातचीत में राउत ने कहा कि शिवसेना उत्तर प्रदेश में 80 से 100 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी जबकि गोवा में पार्टी करीब 20 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। उत्तर प्रदेश में विधानसभा की कुल 403 और गोवा में 40 सीटें हैं।

राज्य सभा सदस्य ने कहा, '' पश्चिमी उत्तर प्रदेश में किसान संगठनों ने शिव सेना का समर्थन करने की इच्छा जताई है और हम छोटी पार्टियों के साथ भी गठबंधन कर सकते हैं। गोवा में एमवीए जैसे समीकरण के रास्ते तलाशे जा रहे हैं। देखिए, हमें इसमें कितनी सफलता मिलती है।'' राउत ने कहा कि इन दो राज्यों में शिवसेना के कार्यकर्ता हैं और पार्टी सफलता और विफलता को किनारे कर चुनाव लड़ती रही है। महाराष्ट्र में शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस की मिलीजुली महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार है।

गुजरात के मुख्यमंत्री पद से विजय रूपाणी के इस्तीफे के बारे में पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा, '' यह भाजपा का आंतरिक मामला है, बाहर के लोगों को इस पर टिप्पणी करने की जरूरत नहीं है। मैं रूपाणी को तब से जानता हूं, जब वह मेरे साथ राज्य सभा के सदस्य थे।'' उन्होंने दावा किया, ''पिछली बार भाजपा

बस बहुमत का आंकड़ा (182 सीटों वाली विधानसभा में) किसी तरह पार कर गई थी। पार्टी के लिए इस बार हालात अच्छे नहीं हैं।'' वहीं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के राष्ट्रीय स्तर पर भूमिका के संबंध में पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि ठाकरे के पास राष्ट्रीय नेता बनने की क्षमता है। महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री राष्ट्रीय नेता होता है।

राज्य में प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना के तहत 18603 महिलाएं लाभान्वित

धर्मशाला (एजेंसी)।

राज्य सरकार ने बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए पोषण में सुधार के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं आरम्भ की हैं। राज्य सरकार ने गर्भवती महिलाओं और स्तनपान करवाने वाली माताओं में कुपोषण की समस्या के समाधान को उच्च प्राथमिकता देते हुए राज्य में प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना आरम्भ की है। यह योजना महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा क्रियान्वित की जा रही है।

इस योजना के तहत पात्र गर्भवती महिलाओं और स्तनपान करवाने वाली माताओं को पहले बच्चे जन्म पर मातृत्व सुविधा प्रदान की जा रही है। शर्तों को पूरा करने वाली पात्र लाभार्थियों को तीन किश्तों में 5000 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जा रही है। राज्य में प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना के तहत एक लाख 96 हजार 491 लाभार्थियों का पंजीकरण किया गया है। वर्ष 2017 में इस योजना के आरम्भ से अब तक लाभार्थियों के बैंक खातों में 82.59 करोड़ रुपये जमा किए गए हैं। वर्ष 2021-22 में अब तक लगभग 18603 लाभार्थियों का पंजीकरण किया जा चुका है और इन लाभार्थियों के बैंक खातों में छः करोड़ 10 लाख 32 हजार रुपये जमा किए गए हैं। राज्य सरकार ने गर्भवती महिलाओं और स्तनपान करवाने वाली माताओं की पोषण संबंधी आवश्कताओं के दृष्टिगत वेतन कटौती की स्थिति में आंशिक मुआवजा और स्वास्थ्य सुधार के लिए प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित किया है। योजना के तहत जिला शिमला में सात करोड़ 87 लाख 75 हजार रुपये और जिला सोलन में 16,440 पात्र महिलाओं को छः करोड़ 40 लाख रुपये व्यय कर लाभान्वित किया गया है। योजना के क्रियान्वयन से अब तक जिला कांगड़ा में लगभग 21 करोड़ रुपये व्यय कर 47 हजार पात्र महिलाओं को लाभान्वित किया जा चुका है। एकीकृत बाल विकास सेवाएं योजना के तहत क्रियान्वित की जा रही प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना का लक्ष्य देश में महिलाओं और बच्चों में कुपोषण की समस्या का समाधान करना है।

केजरीवाल तीसरे कार्यकाल के लिए आप के राष्ट्रीय संयोजक चुने गए

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक के रूप में फिर से चुना गया है। वह लगातार तीसरी बार इस पद पर रहेंगे।

इस घटनाक्रम से वाकिफ पार्टी के सूत्रों ने आईएएनएस को बताया कि रविवार को हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के दौरान केजरीवाल को सर्वसम्मति से आप का राष्ट्रीय संयोजक चुना गया है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि आप नेता पंकज गुप्ता को पार्टी का सचिव चुना गया है जबकि दिल्ली से पार्टी के राज्यसभा सदस्य नारायण दास गुप्ता को कोषाध्यक्ष चुना गया है।

इससे पहले शनिवार को पार्टी ने अपनी 10वीं राष्ट्रीय परिषद की बैठक की थी, जिसमें 34 राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्यों के नामों को मंजूरी दी गई थी। केजरीवाल और दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और दिल्ली विधानसभा की उपाध्यक्ष राखी बिरलान के अलावा, गुजरात, पंजाब और गोवा सहित चुनावी राज्यों के कई नेताओं को आप की नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी में जगह मिली है। आप की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्यों में

कैबिनेट मंत्री सत्येंद्र जैन, गोपाल राय और इमरान हुसैन, आतिशी, दुर्गेश पाठक, राघव चड्ढा, एनडी गुप्ता, दिलीप पांडे, संजय सिंह, प्रीति शर्मा मेनन, पंकज गुप्ता, राजेंद्र पाल गौतम, दिनेश मोहनिया, गुलाब सिंह, कैप्टन शालिनी सिंह, आदिल खान, बलजिंदर कौर, अमन अरोड़ा, हरपाल चीमा, सरवजीत कौर मनुके, डॉ अल्ताफ अहमद, महेश बाल्मीकि, नीलम यादव, वेन्जी वेगास, ईशुदान गढ़वी, गोपाल इटालिया, भगवंत मान, पृथ्वी रेड्डी, सुशील गुप्ता, कर्नल अजय कोठियाल और राहुल म्हाम्ब्रे शामिल हैं। पार्टी पंजाब, उत्तराखंड, गोवा, उत्तर प्रदेश और गुजरात पर ध्यान केंद्रित करके देश के अन्य हिस्सों में अपने पदचिह्न का विस्तार करना चाहती है। केजरीवाल ने शनिवार को राष्ट्रीय परिषद की बैठक को संबोधित करते हुए कहा, पार्टी में पद के लिए कभी लालची मत बनो, लालच से कुछ हासिल नहीं होगा।

उन्होंने कहा, इस पार्टी में, आपको केवल तभी शांति से रहना चाहिए जब आप अपने काम से संतुष्ट हों, इसलिए नहीं कि आप किसी मुकाम पर पहुंच गए हैं। आपका काम इस तरह का होना चाहिए कि पद आपके पास आ जाए और आपको पद के पास न जाना पड़े। यदि आप हमारे पास आते हैं और कहते हैं कि आप एक पद या टिकट चाहते हैं, तो इसका मतलब है कि आप जो चाहते हैं उसके लायक नहीं हैं।

उत्तराखंड कांग्रेस विधायक राजकुमार भाजपा में शामिल

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

उत्तराखंड के प्रभावशाली दलित कांग्रेस विधायक राजकुमार रविवार को पहाड़ी राज्य में विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले भाजपा में शामिल हो गए।

पुरोला से दूसरे कार्यकाल के विधायक राजकुमार केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, राज्य भाजपा अध्यक्ष मदन कौशिक, राज्यसभा सदस्य और राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख अनिल बलूनी और राष्ट्रीय मीडिया सह प्रभारी संजय मयूख की उपस्थिति में पार्टी मुख्यालय में भाजपा में शामिल हुए। पार्टी में राजकुमार का स्वागत करते हुए कौशिक ने कहा, वह दो बार विधायक रहे हैं और राज्य भर में प्रभाव रखने वाले एक लंबे अनुसूचित जाति के नेता हैं। उन्होंने जीवन भर काम किया और हमेशा गरीबों की मदद की। कई मौकों पर उन्होंने भाजपा के अच्छे काम की सराहना की। उनके

शामिल होने से भाजपा को मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री धामी ने कहा, उन्होंने हमेशा समाज के गरीब और वंचित वर्गों के लिए काम किया। भाजपा सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य के विकास के लिए काम कर रही है और कुमार जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत करेंगे। केंद्रीय मंत्री प्रधान ने उन्हें जन नेता बताते हुए कहा, प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार राज्य के विकास के लिए काम कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी से प्रेरित राजकुमार ने भाजपा में शामिल होने के बाद कहा, देश को वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तराखंड के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित किया है। भाजपा सरकार ने बेहतर कनेक्टिविटी, रेल कनेक्टिविटी प्रदान करने वाली ऑल वेदर सड़कों का निर्माण किया है। कोविड के दौरान, इसने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ्त राशन प्रदान करके लोगों की सेवा की और आयुष्मान भारत के तहत स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की। उन्होंने आजादी के बाद से एससी समुदाय की अनदेखी के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया।

दिल्ली में मुसलमानों को हैदराबाद जैसा मजबूत विकल्प देंगे : एआईएमआईएम

नई दिल्ली (एजेंसी)।

असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली एआईएमआईएम राष्ट्रीय राजधानी में अपने आधार का विस्तार करने की कोशिश कर रही है, और यहां उसने अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करना शुरू कर दिया है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष कलीमुल हाफीज ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि पार्टी दिल्ली के मुसलमानों के लिए एक व्यावहारिक विकल्प बनेगी, क्योंकि आप ऐसा करने में विफल रही और कांग्रेस अल्पसंख्यकों से संबंधित मुद्दों पर प्रतिबद्ध नहीं है।

दिल्ली में एमआईएम अनुसूचित जाति समुदाय के साथ गठबंधन करने और राष्ट्रीय राजधानी में दलित-मुस्लिम गठबंधन बनाने की कोशिश कर रही है। हाफीज ने कहा कि दिल्ली मेट्रो है और हैदराबाद भी है और हैदराबाद में मजलिस के बिना कोई भी नगर पालिका नहीं चल सकती। यह पूछे जाने पर कि पार्टी क्यों सोचती है कि दलित उनके साथ आएंगे, उन्होंने कहा कि पार्टी नेता ओवैसी की राजनीति अंबेडकर पर आधारित है। उन्होंने कहा, वह अपने भाषणों में केवल बाबासाहेब को उद्धृत करते हैं और उनके अलावा किसी नेता को नहीं। वह बाबा साहब के विचारों पर भरोसा करते हैं। पार्टी ने महाराष्ट्र में अम्बेडकरवादियों के साथ गठबंधन किया है और चुनावी रूप से सफल रही है।

पार्टी दिल्ली में एमसीडी के 272 वार्डों में 70 सीटों पर चुनाव लड़ने का इरादा रखती है और पार्टी के अनुसूचित जाति के सदस्यों को 30 सीटें देगी। यह उन वार्डों में चुनाव लड़ने की योजना बना रहा है जहां मुस्लिम मतदाता 5,000 से अधिक हैं। पार्टी ने कहा कि वह पूर्वी दिल्ली नगर निगम के लिए एक दलित मेयर उम्मीदवार की घोषणा करेगी क्योंकि ईडीएमसी में मुसलमानों और दलितों की संख्या सबसे अधिक है। पार्टी ने अनुसूचित जाति के वोटों को लुभाने के लिए दो दलित नेताओं को शामिल किया है, जो एक बड़ी आबादी है। हफीज ने कहा कि अगर दलित और मुसलमान एकजुट हो जाते हैं, तो यह हिस्सा लगभग 30 प्रतिशत से अधिक हो जाएगा, और फिर कांग्रेस और आप दोनों मुस्लिमों के मुद्दों को उठाने के लिए मजबूर हो जाएंगे। यह जवाब देते हुए कि वे वोट कटवा हैं या भाजपा को लाभ पहुंचाने के लिए मुस्लिम वोटों को विभाजित कर रहे हैं, उन्होंने कहा कि 2019 के लोकसभा चुनाव में कोई एमआईएम नहीं था, लेकिन आप और कांग्रेस के कुल वोट भाजपा से कम थे। तो इसका मतलब है कि वे सिर्फ एमआईएम को निशाना बना रहे हैं क्योंकि यह देश में मुस्लिम मुद्दों को उठा रहा है। हाफीज ने कहा कि कांग्रेस और आप हिंदुओं के दूर जाने के डर से मुसलमानों से दूर भाग रहे हैं क्योंकि उन्होंने राबिया सैफी के मामले का हवाला दिया, जो सिविल डिफेंस में थीं और उनके परिवार में कोई बड़ा नेता नहीं पहुंचा, लेकिन वही राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल इसी तरह के मामले में पश्चिमी दिल्ली में एक पीड़ित से मिलने के लिए गए।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात के नए मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा, भूपेन्द्र पटेल के हाथ में सत्ता की कमान

क्रांति समय दैनिक समाचार

गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के इस्तीफे के बाद पिछले 24 घंटों से नए मुख्यमंत्री को लेकर चल रहा सस्पैंश आखिरकार खत्म हो गया है। प्रदेश भाजपा मुख्यालय में विधायक दल की बैठक के बाद केन्द्रीय पर्यवेक्षक नरेन्द्र तोमर ने गुजरात के नए मुख्यमंत्री के रूप में भूपेन्द्र पटेल के नाम का ऐलान किया। पहली बार अहमदाबाद की घाटलोडिया निर्वाचन से विधायक बने भूपेन्द्र पटेल उत्तर प्रदेश की राज्यपाल और गुजरात की पूर्व मुख्यमंत्री आनंदीबेन पटेल के गुट के और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संसदीय क्षेत्र के निवासी हैं। आनंदीबेन पटेल के घाटलोडिया विधानसभा सीट छोड़ने के बाद भूपेन्द्र पटेल को 2017 के चुनाव में यहां से टिकट दिया गया था। 2017 में पहली बार विधानसभा का चुनाव लड़ने वाले भूपेन्द्र पटेल ने गुजरात में सबसे बडे मार्जिन से जीत दर्ज की थी। दादा के नाम से विख्यात भूपेन्द्र पटेल अहमदाबाद नगर विकास प्राधिकरण के चेयरमैन,

अहमदाबाद महानगर पालिका में स्थायी समिति के चेयरमैन रह चुके हैं। कंस्ट्रक्शन व्यवसाय से जुड़े भूपेन्द्र पटेल कडवा पाटीदार हैं और पाटीदार समाज पर मजबूत पकड़ रखते हैं। विजय रूपाणी के इस्तीफे के बाद मुख्यमंत्री को लेकर जिन नामों की अटकलें लगाई जा रही थीं, उसमें दूर दूर तक भूपेन्द्र पटेल नहीं थे। नया मुख्यमंत्री पाटीदार होगा यह तय था, लेकिन कौन होगा इसे लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं। जिसमें नितिन पटेल सबसे प्रबल दावेदार थे।

नितिन पटेल के अलावा केन्द्रीय मंत्री मनसुख मांडविया, पुरुषोत्तम रूपाला के अलावा गोरधन झडफिया, आरसी फलदु, गुजरात भाजपा प्रमुख सीआर पाटील के अलावा केन्द्र शासित प्रदेश दीव दमन दादरा नगर हवेली के प्रशासक प्रफुल पटेल का नाम शामिल था।

हांलाकि सीआर पाटील ने बीते दिन ही स्पष्ट कर दिया था कि वह मुख्यमंत्री की दौड में नहीं हैं।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात के नए मुख्यमंत्री को दी शुभकामना

गुजरात के नए मुख्यमंत्री के तौर पर भूपेन्द्र पटेल के नाम का ऐलान होने के साथ ही उन्हें बधाइयां मिलना शुरूहो गई हैं। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट कर भूपेन्द्र पटेल को भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और आपके नेतृत्व प्रदेश की अनवरत विकास यात्रा को नई ऊर्जा व गति मिलेगी और गुजरात सुशासन व जनकल्याण में निरंतर अग्रणी बना रहेगा।

सभी के साथ मिलकर गुजरात की विकास यात्रा को आगे बढ़ाएंगे : भूपेन्द्र पटेल

क्रांति समय दैनिक समाचार

गुजरात के नवनियुक्त मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने कहा है कि राज्य में सरकार और संगठन के साथ मिलकर विकास कार्यों को आगे बढ़ाएंगे। मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान होने के बाद पहली बार पत्रकारों से बातचीत में भूपेन्द्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गांधीनगर के सांसद और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जो मुझ पर भरोसा किया है, उसके लिए उनका आभार व्यक्त करता हूं। गुजरात भाजपा प्रमुख और निवर्तमान मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और उनकी टीम का भी आभारी हूं। मुझ पर हमेशा आनंदीबेन पटेल का आशीर्वाद रहा है और भविष्य में भी रहेगा। गुजरात में जो विकास कार्य चल रहा है और उसे संगठन और सरकार के साथ मिलकर आगे बढ़ाएंगे। अब तक राज्य में काफी अच्छे काम हुए हैं और दूरदराज के व्यक्ति तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जो भी कार्य बाकी हैं उसके लिए नए सिरे से योजना बनाकर उसे पूरा करेंगे। भूपेन्द्र पटेल ने कहा कि मुझे आभास था या नहीं इसका आप सभी को पता चल गया होगा। भाजपा की कार्य प्रणाली ही ऐसी है कि जब पार्टी कहती है तभी पता चलता है। भाजपा केवल चुनाव जीतने के लिए काम नहीं करती।

भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता जनता के बीच रहकर काम करता आया है और आगे भी करता रहेगा।

15 जुलाई 1962 को अहमदाबाद जन्मे भूपेन्द्र रजनीकांत पटेल ने सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा किया है।

कंस्ट्रक्शन व्यवसाय से जुड़े भूपेन्द्र पटेल अहमदाबाद के घाटलोडिया विधानसभा क्षेत्र से पहली बार विधायक बने हैं। पाटीदारों की संस्था सरदारधाम के ट्रस्टी भूपेन्द्र पटेल विश्व उमिया फाउंडेशन की स्थायी समिति के चेयरमेन हैं।

1987 से भाजपा से जुड़े भूपेन्द्र पटेल ने मेमनगर नगर पालिका के चेयरमैन पद से राजनीतिक सफर की शुरुआत की थी।

वर्ष 2008 से 2010 तक भूपेन्द्र पटेल अहमदाबाद स्कूल बोर्ड में चेयरमैन रहे।

2010 से 2015 तक वे अहमदाबाद के थलतेज वार्ड के नगर पार्षद रहे। 2015 से 2017 के दौरान भूपेन्द्र पटेल अहमदाबाद नगर विकास प्राधिकरण के चेयरमैन रहे।

2017 में भूपेन्द्र पटेल ने पहली बार विधानसभा का चुनाव अहमदाबाद की घाटलोडिया सीट से लड़ा और 1,17,000 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की।

जातिवाद की राजनीति के लिए भाजपा ने बदला चेहरा : अमित चावडा

क्रांति समय दैनिक समाचार

गुजरात के नवनियुक्त मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल को शुभकामना देते हुए प्रदेश कांग्रेस ने भाजपा पर कड़े प्रहार किए हैं। गुजरात प्रदेश प्रमुख अमित चावड़ा ने आरोप लगाया है कि विकास की राजनीति निष्फल होने पर भाजपा ने जातिवाद की राजनीति के लिए चेहरा बदला है। चावडा ने यह भी कहा कि भाजपा ने चेहरा बदलकर लोगों को भ्रमित करने का प्रयास किया है। दूसरी ओर गुजरात प्रदेश कांग्रेस का कार्यकारी प्रमुख हार्दिक पटेल ने कहा है कि गुजरात में भाजपा ने अपना आखिरी मुख्यमंत्री चुना है। हार्दिक पटेल ने ट्वीट किया है। जिसमें उन्होंने लिखा ''मैं गुजरात के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेलको शुभकामनाएं देता हूं। भाजपा ने अपनी विफलता को छिपाने के लिए चुनाव से कुछ महीनों पूर्व आपको यह जिम्मेदारी दी है, लेकिन जो कार्य आपकी पार्टी शिक्षा, स्वास्थ्य, महिलाओं, युवाओं और किसानों के लिए गुजरात के सबसे कमजोर वर्ग के लोगों के लिए 25 सालों में नहीं कर पाई, वह आप 1 वर्ष में कैसे करेंगे? यह गुजरात की जनता पूछ रही है। भाजपा ने आपके रूप में अपना आखिरी मुख्यमंत्री बना लिया है, क्योंकि कम से कम अगले 25 वर्षों तक गुजरात की जनता, अब गरीब और युवा विरोधी भाजपा को सत्ता से बाहर रखने का मन बना चुकी है। अब मुख्यमंत्री बदलने का नहीं बल्कि सम्पूर्ण सत्ता बदलने का समय नजदीक आ रहा है।'' बता दें कि शनिवार को मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के इस्तीफे के बाद हार्दिक पटेल ने ट्वीट कर दावा किया था कि आगामी चुनाव में हार को देखते हुए राज्य में नेतृत्व परिवर्तन का फैसला किया गया है। हार्दिक पटेल ने कहा था कि अगस्त में आरएसएस और भाजपा के गुप्त सर्वे चौंकाने वाला था। सर्वे में कांग्रेस को 43 प्रतिशत वोट और 96 से 100 सीट, जबकि भाजपा को 38 प्रतिशत वोट के साथ 80 से 84 सीटें, आप को 3 प्रतिशत वोट और 0 सीट मीम को 1 प्रतिशत वोट और 0 सीट तथा सभी निर्दलीयों को 15 प्रतिशत वोट के साथ 4 सीट मिलने का उल्लेख किया गया था। इसी वजह से विजय रूपाणी की इस्तीफा लिया गया है।

गुजरात प्रदेश प्रमुख अमित चावड़ा

हार्दिक पटेल ने कहा- भाजपा ने गुजरात में अपना आखिरी मुख्यमंत्री चुना

कार्यकारी प्रमुख हार्दिक पटेल

भूपेंद्र पटेल गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर सोमवार को शपथ लेंगे

क्रांति समय दैनिक समाचार

गांधीनगर, भूपेंद्र पटेल गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर सोमवार को शपथ लेंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई के अध्यक्ष सी आर पाटिल ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, 'कल केवल भूपेंद्र पटेल मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।' उन्होंने बताया कि नए मंत्रिमंडल का गठन वरिष्ठ नेताओं के साथ बातचीत के बाद कुछ दिन में किया जाएगा। पाटिल ने यह भी कहा कि उप मुख्यमंत्री पद के लिए विधायक दल की बैठक में कोई चर्चा नहीं हुई।

बैठक में पटेल भी मौजूद थे। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आभारी हैं जिन्होंने उन पर इतना भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि निवर्तमान मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल, सी आर पाटिल तथा अन्य नेताओं समेत गुजरात के नेतृत्व ने उन पर जो विश्वास जताया है उसके लिए भी वह आभारी हैं।

पटेल ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री आनंदी बेन पटेल का आशीर्वाद सदा उनके साथ है। उन्होंने कहा, 'सरकार ने बहुत अच्छा काम किया, जिससे विकास अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सका। हम नए सिरे से योजना बनाएंगे और संगठन में चर्चा करेंगे, जिससे विकास कार्य को आगे ले जाया जा सके।'

उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल के निवास पर सुरक्षा बढ़ाई गई

क्रांति समय दैनिक समाचार

गुजरात में विजय रूपाणी के इस्तीफे के बाद नए मुख्यमंत्री को लेकर प्रदेश भाजपा मुख्यालय कमलम में मंथन चल रहा है। इस बीच उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल के निवास पर सुरक्षा बढ़ाने से उनके मुख्यमंत्री बनने की चर्चा तेज हो गई है। यह तय है कि राज्य में अगला मुख्यमंत्री पाटीदार होगा। इस बीच नितिन पटेल ने कहा कि गुजरात का नया मुख्यमंत्री ऐसा होना चाहिए जो लोकप्रिय हो, उसे सभी लोग जानते हों और अनुभवी हो। नितिन पटेल ने यह भी कहा कि फिलहाल अलग अलग नामों की चर्चा हो रही है, लेकिन गुजरात का नया मुख्यमंत्री भाजपा का राष्ट्रीय नेतृत्व ही तय करेगा। नितिन पटेल ने मुख्यमंत्री पद की दौड़ में इंकार करते हुए कहा कि मैं एक विधायक और उप मुख्यमंत्री हूं। 1990 से पांच साल छोड़ लगातार विधायक रहा हूं और सभी मुख्यमंत्रियों के साथ काम करने का अवसर मिला है। मुख्यमंत्री पद की रेस में यदि मेरा नाम चल रहा है, तो यह अपना अपना अनुमान है। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के इस्तीफा दिए जाने के बारे में नितिन पटेल कोई टिप्पणी करने से इंकार कर दिया। विजय रूपाणी एक सक्षम नेता हैं। संगठन से आए कार्यकर्ता से लेकर राष्ट्रीय नेतृत्व तक पहुंचे हैं, इसलिए उनके बारे में कोई टिप्पणी करना योग्य नहीं है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कोई भी विकास कार्य बदस्तूर जारी रहेंगे।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईल:-9879141180

या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com